भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 76 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

18 सितंबर 2025 गुरुवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

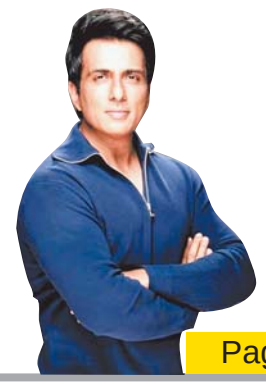

Page-7

मोहन यादव को सालगिरह के 'रिटर्न गिफ्ट' का बड़ा चैलेंज दे गए हैं मोदी जी

सूबे के मुख्यमंत्री इस बात को लेकर खासे खुश हैं कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी 75 वीं सालगिरह के मौके पर मध्यप्रदेश का न्यौता स्वीकार किया। भाजपा शासित या भाजपा के सहयोग से चलने वाली 21 सरकारों में से मप्र की दावत को यूं ही मंजूर नहीं किया है। धार में पीएम मित्र पार्क के रूप में कपास आधारित कपड़ा मिलों के शिलान्यास के साथ ही मोदी अपने टॉप एजेंडे में शरीक किसान, गरीब, नारी और युवा कल्याण के सपनों को सूबे की सरजमीं पर साकार करने का जिम्मा उन पर छोड़ गए हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

प्रधानमंत्री के जन्मदिन की डायमंड जुबली पर भाजपा संगठन तो एक पखवाड़े का सफाई अभियान का काम करेगा ही, लेकिन असली चुनौती तो मोहन यादव की है। आदि पर्व के बतौर मना उनका जन्मदिन आदिवासियों के असल कल्याण से भी जुड़ा है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर '' स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार '' अभियान का आगाज यूं तो पूरे देश के लिए लागू किया है, लेकिन यह मसला मध्यप्रदेश के लिहाज से बहुत बड़ा है। नारी की सेहत का सर्वे और मातृ तथा शिशु मृत्यु दर को घटाने की चुनौती से उन्हें जूझना है। भारत के विभिन्न राज्यों को इन मानदंडों की कसौटी पर देखा जाए तो केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के मुकाबले मप्र के हालात बेहद खराब हैं। नवजात शिशु और बच्चा पैदा करते वक्त होने वाली महिलाओं की मौतों के मामले में मध्यप्रदेश की गिनती सबसे निचली पायदान पर मौजूद दस राज्यों में होती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक मातृ मृत्यु दर का मतलब गर्भावस्था अथवा बच्चा देने के वक्त से लेकर 42 दिनों के भीतर होने वाली मौतों से है। इन मौतों की प्रमुख वजह खून की कमी , बच्चे को जन्म देते ही खून के अधिक रिसाव, प्रसव के बाद होने वाले संक्रमण, गर्भावस्था के दौरान हाई ब्लड प्रेशर, प्रसूति के वक्त होने वाली जटिलता तथा असुरक्षित गर्भपात बनती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम जननी सुरक्षा योजना 2024 में लागू की थी। यह 2023 के चिंता पैदा करने वाले आंकड़ों को देखते हुए की गई थी। इसके अलावा मातृ वंदना योजना के तहत भी गर्भावस्था के दौरान और बच्चों को स्तनपान कराने वाली महिलाओं को नकद सहायता दी जाती है। संस्थागत प्रसव यानि घरों में प्रसव रोकने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सेहत महकमें से जुड़ी आशा कार्यकर्ताओं को भी प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। बावजूद इस सबके मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, बंगाल , बिहार और उत्तर प्रदेश के हालात मातृ और नवजात शिशु मृत्यु दर के मामले में काफी गंभीर है। अगर व्यवहारिक धरातल पर देखें तो नारी एक गृहिणी के बतौर अपनी सेहत की चिंता कम करती है। इसके बजाए उसका ध्यान अपने बच्चों और पति के स्वास्थ्य की तरफ ज्यादा होता है। शरीर में खून की कमी बड़ी समस्या है। आंकड़ों के मुताबिक निम्न मध्यम आय वर्ग और गरीब परिवारों में यह समस्या बेहद जटिल है। खासतौर पर आदिवासी और दलित महिलाओं की दशा बेहद गंभीर है। इस लिहाज से '' स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार '' जैसा अभियान एक कारगर अस्त्र साबित हो सकता है, बशर्ते यह कागजी नहीं रह जाए। धरातल पर उतरे। इस अभियान की सार्थकता तभी सच साबित हो सकती है कि जब इसमें सरकारी प्रक्रियाएं आड़े न आएं।

सेहत से जुड़े विभाग इसमें सेवाभाव से दिलचस्पी लें। आदिवासी बहुल धार की धरती से इस योजना का आगाज करने का मतलब ही यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिन पर तोहफे के बतौर सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव से बड़ी रिटर्न गिफ्ट मांग कर लौटे हैं। यादव के माथे मध्यप्रदेश को इस अभिशाप से मुक्ति दिलाने की चुनौती है। यह संयोग ही है कि इंदौर के कमिश्नर का दायित्व हाल ही में डॉ सुदाम खाड़े को सौंपा गया है, जो अभी तक जनसंपर्क महकमे के सचिव से लेकर आयुक्त की भूमिका में थे। इंदौर कमिश्नर रहते हुए महिला स्वास्थ्य के सर्वे से लेकर उनकी सेहत को सुधारने का जिम्मा उनके माथे पर भी होगा। क्योंकि आलीराजपुर से लेकर झाबुआ, बड़वानी, धार जैसे आदिवासी जिले उनके संभाग के तहत आते हैं। आईएएस अफसर होने के साथ वे खुद डाक्टर भी है। इस नाते वे नारी स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की गहरी समझ रखते हैं। इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक,मनोवैज्ञानिक पहलुओं का अंदाजा उन्हें है और शायद समाधान भी उनके जेहन में होगा। लेकिन यह तभी होगा जबकि सेहत से जुड़े विभागों के अफसर और अमला इसे पूरी गंभीरता और संजीदगी से ले।

टेक्सटाइल पार्क में रोजगार बड़ी चुनौती

जहां तक पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क का मसला है तो यह कपास उत्पादक किसान से लेकर, टेक्सटाईल मिल स्थापित करने और उनमें बेरोजगार युवाओं को रोजगार के मौके देने से जुड़ा है। रिटर्न गिफ्ट के बतौर यह चुनौती भरा काम भी मोहन यादव की परीक्षा की घड़ी होगी। तेरह सौ एकड़ जमीन पर प्रस्तावित इस टेक्सटाईल पार्क से तीन लाख युवाओं को रोजगार देना है। इनमें 60 फीसदी हिस्सेदारी महिलाओं की भी सुनिश्चित करने को कहा गया है। राज्य सरकार के दावों की माने तो इसके लिए जरूरी जमीन में से अस्सी फीसदी जमीन का आवंटन टेक्सटाईल पार्क के लिए किया जा चुका है। बाकी बीस फीसदी जमीन का इंतजाम सरकार को करना है। इस पार्क में औद्योगिक निवेश से लेकर मिल स्थापित करने तक की प्रक्रिया से भी उसे गुजरना है। मालवा-निमाड़ में कपास की खेती को बढ़ावा देने के लिए उसे किसानों के लिहाज से लाभकारी बनाना छोटा काम नहीं है। कुल मिलाकर देखें तो मोहन यादव के सिर पर रिटर्न गिफ्ट के बतौर चुनौतियों का बड़ा पहाड़ है। सवाल यही है कि क्या वे रिटर्न गिफ्ट का इतना बड़ा चैलेंज स्वीकार कर पाएंगे? इसे कैसे अंजाम देंगे और इसमें कितना वक्त लगेगा, इसका गवाह तो काम की रफ्तार के साथ आने वाले वक्त ही बनेगा।

ज्ञानेश कुमार रहे फिर निशाने पर, चुनाव आयोग ने बताया निराधार

वोट चोरी के नए आरोप लेकर आए राहुल, नहीं आया हाइड्रोजन बम

नईदिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को 'वोट चोरी' पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है। हालांकि राहुल ने कहा कि यह उनका हाइड्रोन बम नहीं है, वह बाद में आएगा। राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है। उधर, चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को गलत और निराधार बताते हुए कहा है कि कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है।

सिस्टम को हाईजैक करके ये वोट डिलीट किए थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 63 साल की गोदावाई का वीडियो दिखाया गया। जिसमें उन्होंने कहा- मेरा वोट डिलीट किया गया। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। गोदावाई के नाम से फेक लॉगिन बनाया गया। 12 वोटर्स के नाम डिलीट किए गए।

दावा- वोटर्स डिलीट करने की कोशिश

राहुल ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया। उन्होंने बताया कि वहां की एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देख लिया उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया है। उसने जांच की तो पाया पड़ोसी ने वोट डिलीट किया था। असल में किसी और ताकत ने

भारत के लोग ही लोकतंत्र को बचा सकते हैं

राहुल ने कहा, चौंकाने वाली बात यह है कि यह पिछले 10-15 साल से चल रहा है। यह एक सिस्टम है, यह एक स्ट्रक्चर है। लोकतंत्र को हाइजैक कर लिया गया है। लोकतंत्र को सिर्फ भारत के लोग ही बचा सकते हैं, कोई और नहीं बचा सकता। उन्होंने कहा कर्नाटक के मामले में एफआईआर 23 फरवरी को दर्ज की गई। कर्नाटक सीआईडी ने मार्च में तुरंत चुनाव आयोग को पूरा विवरण मांगते हुए पत्र लिखा। अगस्त में आयोग ने जवाब दिया, लेकिन किसी भी मांग को पूरा नहीं किया और हमें जानकारी नहीं दी। ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं जो यह कर रहे हैं। यह भी बिल्कुल ठोस सबूत है कि यह काम सेंट्रलाइज्ड तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अब चुनाव आयोग के अंदर से मदद मिलनी शुरू हो गई है और यह प्रक्रिया रुकने वाली नहीं है।

पहले कांग्रेस ने लिखा कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, हाइड्रोजन बम आएगा, निशिकांत दुबे बोले- अराजकता फैलाने की तैयारी

राहुल गांधी की प्रेस कान्फ्रेंस के पहले कांग्रेस की ओर से एक्स पर लिखा गया कि कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, बस कुछ ही देर में राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम फटने वाला है। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ और राहुल ने खुद ही कह दिया कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है। बीजेपी के मुखर सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि राहुल एक बार फिर भारत के लोकतंत्र को इस बम के ज़रिए कमजोर करने जा रहे हैं । इसलिए सरकारी एजेंसियां तैयार रहें । यह वही कांग्रेस है जिसने भिंडरावाले को पैदा किया । सत्तर के दशक में कम्युनिस्टों को समर्थन देकर पशुपति नाथ से लेकर तिरुपति तक नक्सलवाद को पनपाया । आज राहुल गांधी जार्ज सोरस जैसे भारत विरोधी उद्योगपति और रॉक देकर तथा यूएसएड जैसी संस्थाओं की मदद से भारत में अराजकता फैलाने की तैयारी कर रहे हों ।

जबलपुर और कटनी में योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

सीएम बोले- सबके लिए प्रेरणा है शहीद राजा शंकर और रघुनाथ शाह का त्याग

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस आज यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता हेतु उनका अदम्य साहस, अमर शौर्य और अद्वितीय बलिदान हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के हृदय में राष्ट्रभक्ति की पवित्र ज्योत प्रज्वलित करता रहेगा। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जहाँ एक ओर 1857 की क्रांति को पहली संगठित लड़ाई माना जाता है, वहीं कई ऐसे जननायक भी रहे जिन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाई, लेकिन इतिहास में उन्हें उतनी जगह नहीं मिल सकी। गोंडवाना साम्राज्य के शासक राजा और उनके पुत्र भी ऐसे ही रहे हैं। वे अपनी प्रजा के बीच न्यायप्रिय और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कटनी जिले के बड़वारा में बड़वारा और रीठी में नवनिर्मित सांदीपनि स्कूल भवनों के लोकार्पण कर 127.64 करोड़ रूपये के 14 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने निःशुल्क स्कूटी वितरण योजना, लाड़ली लक्ष्मी छात्रवृत्ति राशि, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन और ई-कृषि यंत्रीकरण अनुदान योजना के तहत हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया । सेवा पखवाड़ा अभियान की थीम पर आयोजित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वोकल फॉर लोकल की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों और जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के द्वारा एक जिला एक उत्पाद के तहत कटनी सैंड स्टोन से निर्मित कलाकृतियाँ दिखाया गया है।

घर-घर होगी पहचान, दिल्ली में एसआईआर की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और अब 2002 की मतदाता सूची में जिनके नाम दर्ज नहीं है उन्हें अपने पहचान पत्र प्रस्तुत करने होंगे। हालांकि एसआईआर शुरू होने की तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने देश भर में एसआईआर शुरू करने का निर्णय लिया है। बयान में कहा गया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नियुक्त किए गए हैं।

सीएम योगी ने कहा था - पाताल से निकालकर लाएंगे

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले बदमाश ढेर, जूतों से पहचाना

लखनऊ, एजेंसी।

दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग में शामिल दोनों बदमाशों रविंद्र और अरुण को बुधवार शाम हुई मुठेभड़ में मार गिराया गया। दोनों बदमाशों से यह मुठभेड़ ट्रॉनिका सिटी गाजियाबाद में हुई। . यूपी एसटीएफ, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने मिलकर इस युक्त ऑपरेशन को अंजाम दिया। मारे गए दोनों शूटर कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदार गैंग के सक्रिय सदस्य थे।

इनके ऊपर पर एक-एक लाख का इनाम भी घोषित था। आरोपियों की पहचान 'लाल जूते' की वजह से हो सकी है। दरअसल, फायरिंग की इस घटना के बाद बरेली पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो कई चीजें स्पष्ट हुईं। दो बदमाश विदेशी पिस्टल स्पोर्ट्स बाइक से लेकर आए थे। जिसमें से एक ने लाल रंग के जूते पहने हुए थे। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने फायरिंग की थी। जब पुलिस ने बारिकी से फुटेज की जांच की तो फायरिंग करने वाले शख्स ने लाल जूते पहने हुए थे। इसके अलावा बदमाशों का जो हुलिया और पहनावा था वो भी बरेली के आस-पास का नहीं लग रहा था। जानकारी के मुताबिक, नोएडा एसटीएफ बुधवार की शाम को गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी एरिया में चेकिंग कर रही थी।

मेट्रो एंकर | रिजर्व बैंक ऑफ सेंट लुइस की रिपोर्ट, हायर एजुकेशन सेक्टर पर संकट

अमेरिका में डिग्री के लिए लाखों खर्च करने से पहले देख लें प्लेसमेंट का हाल, छात्रों को मिल रही दोयम दर्जे की नौकरी

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी।

जो भारतीय छात्र लाखों रुपये खर्च कर अमेरिका में डिग्री लेने की सोच रहे हैं, उनके लिए यह अच्छी खबर नहीं है। उन्हें सावधान होने की जरूरत है। जिस डिग्री को हासिल करने वो अमेरिका जा रहे हैं, उसकी कोई कीमत है भी या नहीं। ये सवाल इसलिए उठ रहा है, क्योंकि हाल ही में अमेरिका में एक सरकारी रिपोर्ट सामने आई। इसमें बताया गया, जो अमेरिका में मिलने वाली डिग्री की वैल्यू पर सवाल खड़ा करता है। इसमें बताया गया है कि अमेरिकी कॉलेज से डिग्री लेने वाले दोयम दर्जे का काम कर रहे हैं।

दरअसल, अमेरिका के मिसौरी राज्य के फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ सेंट लुइस ने एक नई

रिसर्च रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि अमेरिका में हाल ही में कॉलेज से ग्रेजुएट हुए आधे से ज्यादा लोग ऐसे पदों पर काम कर रहे हैं, जिनके लिए यूनिवर्सिटी की डिग्री की जरूरत भी नहीं होती है। ये रिपोर्ट अमेरिका के हायर एजुकेशन सेक्टर में गहराते संकट को उजागर करती है। अभी तक ये माना जाता था कि किसी के पास कॉलेज डिग्री होगी तो उसे आसानी से उसकी मनपसंद जॉब मिलेगी।

युवाओं में बढ़ रही बेरोजगारी: ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, 22-27 साल की उम्र के हाल ही में कॉलेज से ग्रेजुएट हुए युवाओं के बीच बेरोजगारी दर लगभग 6 फीसदी हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत 4.2 फीसदी से काफी ज्यादा है। उनकी लेबर मार्केट में सिर्फ 5 फीसदी ही हिस्सेदारी है। इसके बावजूद 2023 के बाद से कॉलेज से ग्रेजुएट हुए युवा राष्ट्रीय बेरोजगारी में 12 फीसदी से ज्यादा इजाफा होने के लिए जिम्मेदार हैं। ये दिखाता है कि मौजूदा वर्कफोर्स में किस तरह युवाओं के लिए नौकरियों की कमी हुई है।

औसत बेरोजगारी 5.3 फीसदी

न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक के विश्लेषण से पता चलता है कि ग्रेजुएट्स के लिए अल्प-रोजगार दर 41 फीसदी से थोड़ी ज्यादा है। अल्प-रोजगार दर उस अवस्था को कहते हैं, जब लोग ऐसी नौकरियों को कर रहे हों, जिसे करने के लिए 50 फीसदी या उससे ज्यादा कर्मचारियों को डिग्री की जरूरत नहीं होती है। न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि हाल ही में कॉलेज से ग्रेजुएट हुए लोगों में 2025 की दूसरी तिमाही में औसतन 5.3 प्रतिशत बेरोजगारी रही। रिसर्च से पता चलता है कि अल्प-रोजगार वाले ग्रेजुएट स्कूली शिक्षा रखने वाले लोगों की तुलना में केवल 25 प्रतिशत ज्यादा कमाते हैं।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर नो पार्किंग में खड़े ऑटो रिक्शा बने मुसीबत, यातायात पुलिस मौन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर नो पार्किंग क्षेत्र में ऑटो रिक्शों की अवैध पार्किंग ने यात्रियों और वाहन चालकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। नियमों को दरकिनार करते हुए दर्जनों ऑटो चालक स्टेशन गेट के पास अपने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क पर रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। यात्रियों को ट्रेन पकड़ने में देरी होती है और आम नागरिकों को जाम से निकलने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद यातायात पुलिस और रेलवे प्रशासन लापरवाही बरत रहा है। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहने के बावजूद इस अव्यवस्था पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करते, जिससे ऑटो चालकों के हौसले और बुलंद हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने इस समस्या को लेकर कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। शहरवासियों की मांग है कि रेलवे स्टेशन पर सख्ती से नो पार्किंग नियम लागू किए जाएं, ऑटो के लिए अलग से पार्किंग ज़ोन बनाया जाए और यातायात पुलिस सक्रिय रूप से कार्रवाई करे। तभी यात्रियों और वाहन चालकों को इस रोज़मर्रा की परेशानी से राहत मिल सकेगी।

अगले माह से मेट्रो का सफर होना है शुरू, ठोस योजना न होने से चिंता बढ़ी

इंदौर मेट्रो को नहीं मिल रहे हैं यात्री ...तो भोपाल में कहां से आएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में मेट्रो को एस से सुभाष ब्रिज तक दौड़ाने की तैयारियां जोरों पर है। कमिश्नर मेट्रो रेल सेटी यानी सीएमआरएस का ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद 15 अक्टूबर तक मेट्रो को चलाने की योजना है। सीएमआरएस निरीक्षण से पहले इंदौर मेट्रो में घट रही यात्री संख्या ने भोपाल के अफसरों को चिंतित कर दिया है। अगस्त में इंदौर में महज 388 यात्री ही रोजाना सवार हुए, जबकि जुलाई में ये औसत 700 का था। सितंबर में ये संख्या और कम होने की संभवना है। इंदौर की तरह ही भोपाल की स्थिति है और यहां मेट्रो के लिए यात्री कहां से लाएंगे? ये बड़ा सवाल है। हैरानी ये कि मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अफसर इस चिंता को जाहिर कर रहे हैं और न ही यात्रियों के मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने की कोई योजना नहीं बना पा रहे हैं।

इंदौर में मेट्रो से क्यों दूर यात्री

गौरतलब है कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन की राइडरशीप शुरुआत में रोजाना 25 हजार थी। इंदौर में 5.8 किमी लंबाई का अधूरा और छोटा रूट होने से शहर के मुख्य भीड़भाड़ वाले इलाकों को नहीं जोड़ता है। छोटी दूरी के लिए मेट्रो का किराया महंगा लग रहा है। कई यात्री निजी वाहन, ऑटो और बस को सुविधाजनक मानते हैं। मेट्रो सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ही चलती है और वीकेंड को छोड़कर हर 1 घंटे में एक ट्रेन मिलती है। यह समय उन लोगों के लिए सुविधाजनक नहीं है जो दफ्तर या कॉलेज जाने के लिए मेट्रो का उपयोग करना चाहते हैं। मेट्रो स्टेशन मुख्य आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों से दूर हैं। यात्रियों को स्टेशन जाने के लिए ऑटो या बस का सहारा लेना पड़ता है, इससे समय और लागत दोनों बढ़ जाती है।

बिना यात्री भी 12 से 15 लाख रुपए रोजाना परिचालन खर्च आएगा

मेट्रो ट्रेन संचालन में इस समय 132 कर्मचार की टीम है। 6.22 किमी के एस से सुभाष ब्रिज तक के ट्रैक पर प्रतिकिमी प्रतिदिन दो लाख का औसत खर्च होगा। इसका एक बड़ा हिस्सा अभी से शुरू हो गया है। इंदौर में बिजली का बिल प्रतिमाह 50 लाख बन रहा, वह यहां भी रहेगा। प्रतिवर्ष देखें तो 5 से 8 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष प्रतिकिमी का खर्च होगा। इसमें 30 फीसदी बिजली, 33 फीसदी स्टॉफ के वेतन भत्ते व बाकी अन्य खर्च है।

बस ज्यादा किफायती- एम्स से एमपीनगर, सुभाषनगर तक बस का किराया 14 रुपए है। प्रतिकिमी दो रुपए की दर है। भोपाल मेट्रो का किराया 20 रुपए जबकि अधिकतम 30 रुपए तय किया है। बस किराए से दोगुना है।

योजना बंद: दुर्घटना बीमा की राशि देने के लिए नहीं है बजट

पहली से 12वीं कक्षा के लिए छात्र बीमा योजना 8 साल से बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को यूनिफार्म, साइकिल और लैपटॉप बांटने वाली सरकार छात्रों की सुरक्षा का इंतजाम भूल गई है। महज एक रुपए के प्रीमियम से करीब सवा करोड़ बच्चों को मिलने वाली छात्र दुर्घटना बीमा योजना आठ साल से बंद है। जबकि, प्रदेश से लगे चार राज्यों के छात्रों को इसका फायदा मिल रहा है। राजधानी सहित प्रदेश में 94 हजार स्कूल हैं। इनमें दर्ज हजारों बच्चों को किसी भी दुर्घटना में दुर्घटना सुरक्षा बीमा स्कीम के तहत बीमा कंपनी से आर्थिक मदद मिलती थी। स्कूल शिक्षा विभाग में वर्ष 2000 से इस स्कीम की शुरुआत हुई थी।

हर विद्यार्थी की फीस से एक रुपए का बीमा अंशदान लिया जाता था। 10 साल तक स्कीम चली फिर आरटीई लागू होने के बाद इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद से प्रदेश के किसी भी छात्र के परिजन को दुर्घटना की स्थिति में बीमा क्लेम नहीं मिला। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि छात्र बीमा योजना बहुत पहले संचालित की जा रही थी। अब क्यों बंद हो गयी। इस संबंध में जानकारी ली जाएगी। मप्र के छात्रों के लिए दुर्घटना बीमा योजना बंद है। यदि हादसे में बच्चे घायल होते हैं तो अभिभावक खुद ही खर्च उठाते हैं। प्रदेश में योजना लागू हो। बताया जाता है कि छात्रों के लिए पहले दुर्घटना सुरक्षा बीमा योजना लागू थी। बीमा क्लेम पर जिला स्तर से बीमा एजेंसी से अभिभावक को क्लेम का भुगतान होता था। अब इस तरह की कोई सुविधा नहीं है।

यह थी योजना

5 हजार से 1 लाख का क्लेम छात्र के घायल होने पर इलाज के लिए 5 से 50 हजार तक क्लेम

हर साल सड़क दुर्घटना में प्रभावित होते छात्र

केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 1 लाख 80 लोगों की मौत होती है। इनमें से 10 प्रतिशत स्कूली बच्चे शामिल होते हैं। जो सड़क पार करते समय या जर्जर स्कूल भवन आदि के गिरने से घायल होते हैं, या अनहोनी का शिकार हो जाते हैं।

इन राज्यों में सुविधा

राजस्थान- विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा पॉलिसी से एक करोड़ स्टूडेंट को सुरक्षा कवच

छत्तीसगढ़- पांच से पचास हजार तक की आर्थिक मदद। एक लाख तक क्षतिपूर्ति भी।

स्थायी शारीरिक क्षति पर 50 हजार रुपए बीमित छात्र की मौत पर परिवार को एक लाख क्षतिपूर्ति हर साल कक्षा 1 से 12 वीं तक छात्रों का होता था।

नवरात्र उत्सव की तैयारी अंतिम दौर में

बिट्टन मार्केट में जगन्नाथपुरी, तो बरखेड़ा में कष्टभंजन हनुमान मंदिर की झांकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गणेश उत्सव के बाद नवरात्र की शुरुआत हो गई है। शहर में नवरात्र उत्सव काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी शहर में छोटी बड़ी मिलाकर 7 करोड़ से अधिक की झांकियां सजेंगी। इन झांकियों को देश के कई तीर्थ स्थलों की थीम पर तैयार किया जा रहा है। इस दौरान बिट्टन मार्केट में जगन्नाथ पुरी की झांकी सजाई जा रही है, वहीं बरखेड़ा में पहली बार गुजरात सारंगपुर का कष्ट भंजन हनुमान मंदिर बनाया जाएगा। इसी प्रकार न्यू मार्केट में कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के साथ-साथ वृंदावन और खाटू श्याम की झलक दिखाई जाएगी। झांकियों का कार्य जोर शोर से शुरू हो गया है और कारीगर दिन रात आकार देने में जुटे है। नवरात्र 22 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं।

यहां भी सजेंगी झांकियां

शहर में नवरात्र में अनेक स्थानों पर बड़ी झांकियां सजाई जाएगी। कहीं 20 लाख तो कहीं 15 लाख रुपए की लागत से झांकी सजेगी। इस दौरान दस नंबर पार्किंग, अरेरा कॉलोनी, कोटरा सुल्तनाबाद, एमपी नगर, इंद्रपुरी सहित अन्य स्थानों पर भी बड़ी झांकियां सजाई जाएंगी। बिट्टन मार्केट में लागत 1 करोड़ 10 लाख ऊंचाई 105 फीट रहेगी। बिट्टन मार्केट में जगन्नाथपुरी की झांकी सजाई जा रही है। यहां भगवान जगन्नाथ की तकरीबन 6 फीट की प्रतिमा पुरी से लाई गई है। समिति के संयोजक हरिओम खटीक और अध्यक्ष श्याम खटीक ने बताया कि झांकी में 50 से अधिक प्रतिमाएं रहेगी।

वहीं कष्टभंजन हनुमान में लागत 30 लाख रुपए ऊंचाई 80 फीट रहेगी। बरखेड़ा में पहली बार कष्टभंजन हनुमान मंदिर सारंगपुर की झांकी तैयार की जा रही है। समिति के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि कोलकाता के कारीगरों द्वारा यहां आकर्षक साज सज्जा की जाएगी। यह झांकी श्रद्धालुओं के खास आकर्षण का केंद्र रहेगी।

कृष्ण जन्मभूमि, खाटू श्याम में लागत 45 लाख से झांकी बनेगी। न्यू मार्केट की झांकी में मथुरा, वृंदावन और कृष्ण लीला की झलक दिखाई देगी। आयोजक पवन वरदानी, सचिव अजय देवनानी ने बताया कि कारागृह के साथ विभिन्न कृष्ण मंदिरों को दर्शाया जाएगा, साथ ही खाटू श्याम के दर्शन भी होंगे। इसे 25 कारीगर तैयार कर रहे हैं।

जंगल सफारी, प्राकृतिक सौंदर्य की झांकी में लागत 25 लाख। टीला जमालपुरा में प्राकृतिक सौंदर्य दर्शाते हुए झांकी सजाई जाएगी। समिति के विजय पटेल ने बताया कि इसे जंगल सफारी की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जहां पहाड़, झरने सहित प्रकृति का आनंद लोग ले सकेंगे। विभिन्न देवी देवताओं के दर्शन होंगे।

भोपाल में ढाई इंच पानी गिरा

भोपाल में सबसे ज्यादा ढाई इंच पानी गिर गया। शाजापुर में 2.1 इंच, इंदौर में 2 इंच, उमरिया में 1.9 इंच, उज्जैन-सिवनी में 1.8 इंच, रीवा में 1.6 इंच, टीकमगढ़ में 1.3 इंच बारिश दर्ज की गई। गुरुवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। कुछ जिलों में हल्की बारिश भी हुई। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मानसून की विदाई के दौरान भी पूरे प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है। हालांकि, 4 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। इस मानसूनी सीजन में औसत 42.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे से 7 इंच ज्यादा है।

मेट्रो एंकर भोज विवि में राजनीति शास्त्र विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण की कार्यशाला शुरू

भारत में प्रचलित 18 विद्याएं और 64 कलाओं को पाठ्यक्रमों में शामिल करें- प्रो. यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित भोज मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। यह कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राजनीति शास्त्र विषय के स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातक तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्माण के लिए है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विषय विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष के रूप में प्रो. सुषमा यादव, पूर्व सम-कुलगुरु, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. उत्तम सिंह चौहान, संयुक्त संचालक, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय कार्यशाला में राजनीति विज्ञान विषय के पूरे प्रदेश से लगभग 21 विषय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। जो राजनीति विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम पर अपनी अनुशंसाएं उच्च शिक्षा विभाग के केंद्रीय अध्ययन मंडल को सौंपेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि आज हमें आवश्यकता है कि हम भारत के दर्शन को पुनः स्थापित करें। उन्होंने कहा कि सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा को लाना है तथा भारत में प्रचलित 18 विद्याएं और 64 कलाओं को विभिन्न विषयों में शामिल करना चाहिए। सिखाने की कला ऐसी हो कि विद्यार्थी खेल-खेल में ही सीख जाएं स शिक्षा में उल्लास होना चाहिए, शिक्षा आनंददायक होना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य है कि विद्या और आनंद के बीच के संबंध को स्थापित करें।

भारतीय राजनीतिक चिंतन के आधार को खोजना है

कार्यशाला में बीज वक्तव्य देते हुए मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त संचालक प्रो. उत्तम सिंह चौहान ने कहा कि हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार भारतीय राजनीतिक चिंतन के आधार को खोजना है और उसे पाठ्यक्रम में शामिल करना है। हमें परंपरा और प्रणाली में अंतर को भी समझना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमवाय अस्पताल इंदौर में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत अस्पताल परिसर में ई वेस्ट संकलित कर स्वच्छता उत्सव की शुरुआत की।

भोपाल में अब ऑटोइम्यून और दुर्लभ रोगों का इलाज होगा

एम्स में मेडिकल जेनेटिक्स, रुमेटोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग शुरू होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एम्स भोपाल में रुमेटोलॉजी, क्रिटिकल केयर और मेडिकल जेनेटिक्स जैसे मॉडर्न विभाग शुरू होने जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी से यह तीनों विभाग जल्द ही कार्यरत होंगे, जिससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब प्रदेश के मरीजों को दिल्ली या मुंबई नहीं जाना पड़ेगा।

गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों से लेकर जेनेटिक विकारों और जीवनरक्षक क्रिटिकल केयर तक का उन्नत इलाज यहीं मिलेगा। इस कदम से न सिर्फ मरीजों को राहत मिलेगी बल्कि एम्स भोपाल प्रदेश का हेल्थकेयर हब बनने की ओर भी अग्रसर होगा।

135 नए पद, मजबूत होगी स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए 135 नए पदों को मंजूरी दी है, जिनमें फैकल्टी, रेजिडेंट और नॉन-फैकल्टी शामिल हैं। इनमें डॉक्टरों के साथ-साथ तकनीशियन, लैब टेक्नोलॉजिस्ट, रेडियोग्राफर और फिजियोथेरेपिस्ट भी होंगे। यह न सिर्फ बेहतर इलाज उपलब्ध कराएंगे बल्कि प्रदेश के मेडिकल छात्रों के लिए भी उन्नत शिक्षा और शोध का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

इन 3 विभाग से मिलेंगी नई सुविधाएं

रुमेटोलॉजी- गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों का इलाज रुमेटोलॉजी विभाग गठिया, ल्यूपस, वास्कुलाइटिस और अन्य ऑटोइम्यून रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। प्रदेश में हर साल हजारों मरीज जोड़ों के दर्द, सुबह की जकड़न और अन्य लक्षणों से पीड़ित होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ की कमी के कारण सही इलाज नहीं मिल पाता। एम्स भोपाल में इस विभाग के खुलने से अब मरीजों को मेट्रो शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। यहां विशेष तौर पर रूमेटोइड आर्थराइटिस, एंकायलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और ल्यूपस जैसी जटिल बीमारियों का इलाज उपलब्ध होगा।

क्रिटिकल केयर- गंभीर मरीजों के लिए जीवनरक्षक सुविधा प्रदेश में दुर्घटनाओं, स्ट्रोक, हार्ट अटैक और सांस की गंभीर समस्याओं से जूझ रहे मरीजों की जान बचाने में क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग अहम भूमिका निभाएगा। अक्सर ऐसी स्थिति में मरीजों को तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट, एडवांस मॉनिटरिंग और मल्टी-ऑर्गन सपोर्ट की आवश्यकता होती है, जो अभी तक भोपाल में सीमित स्तर पर ही उपलब्ध है। नए विभाग की स्थापना से एम्स भोपाल प्रदेश का सबसे उन्नत क्रिटिकल केयर सेंटर बनकर उभरेगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन मरीजों के लिए जरूरी है, जिन्हें समय पर इलाज न मिलने से बाहर रेफर करना पड़ता था।

मेडिकल जेनेटिक्स- दुर्लभ रोगों की पहचान और इलाज जेनेटिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों और वयस्कों के लिए यह विभाग बेहद अहम साबित होगा। डाउन सिंड्रोम, थैलेसीमिया, मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी और अन्य आनुवंशिक विकारों की पहचान और इलाज अब एम्स भोपाल में ही संभव होगा। यह विभाग प्री-नैटल स्क्रीनिंग, जेनेटिक काउंसलिंग और नई रिसर्च की सुविधा भी देगा। मध्यप्रदेश में ऐसे हजारों परिवार हैं जिन्हें बच्चों के जन्म के बाद आनुवंशिक विकार का पता चलता है और फिर इलाज के लिए उन्हें बड़े शहरों में जाना पड़ता है। अब यह सब सुविधा यहीं उपलब्ध होगी।

भोपाल के अनंतपुरा कोकता का मामला; कलेक्टर को दिखाई रिपोर्ट

सरकारी जमीन पर कब्जे मामले में 36 लोगों की पेशी, जवाब करेंगे पेश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल के अनंतपुरा कोकता में पशुपालन विभाग की बेशकीमती जमीन पर कब्जे के मामले में आज जवाब पेश होंगे। गोविंदपुरा तहसीलदार सौरभ वर्मा ने कुल 36 लोगों को नोटिस दिए थे। जिन्हें जवाब देने होंगे। यदि प्रशासन जवाब से संतुष्ट नहीं होता है तो कब्जे को हटाने की कार्रवाई होगी। सबसे पहले कॉमर्शियल प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलेगा।

इससे पहले बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी मामले की पूरी जानकारी और रिपोर्ट दिखाई गई। बता दें कि डायमंड सिटी के 20 मकान भी जद में है। इसके अलावा खेती कार्य के लिए कब्जा करने पर 8, कॉलोनी के पहुंच मार्ग के लिए 4 नोटिस दिए हैं। इसके अलावा बीपीएस स्कूल, द ग्रीन स्केप मेंशन शादी हॉल/रिसोर्ट समेत एक हॉस्टल और एक दुकान संचालक को भी नोटिस दिए थे। अगस्त में सीमांकन के दौरान निशान और जमीन पर खूटियां लगाई गई थीं। इससे स्पष्ट हो गया था कि प्रशासन किन लोगों को नोटिस देगा। इसलिए लोग एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव को अपनी पीड़ा सुना चुके हैं। वहीं, कई लोग पहले से ही अपना पक्ष बता चुके थे। इस मामले में लोगों का कहना है कि जमीन सिद्धार्थ सिन्हा से खरीदी थी। जब इस जमीन के बारे में जानकारी जुटाई गई तो यह सही बताई गई थी। इसके बाद हमने एसडीएम ऑफिस से नामांतरण कराया। सभी अनुमति लेने के बाद ही बिल्डिंग बनाई। डायवर्जन, रजिस्ट्री, नक्शे, नामांकन कराया। सरकारी तौर पर जब बटांकन कराया तो आरआई-पटवारी आए। उन्होंने ही बताया था कि उनके हिस्से में कहीं कोई सरकारी जमीन नहीं है।

अब तक यह प्रक्रिया हुई

27 अगस्त को गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में 11 पटवारी और 3 राजस्व निरीक्षकों ने सीमांकन शुरू किया था।

तीन दिन के भीतर सीमांकन कार्य पूरा हो गया। इसके बाद रिपोर्ट एसडीएम और तहसीलदार को दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि किस रकबे में किसका और कितना कब्जा है?

इसी बीच 2 सितंबर को डायमंड सिटी समेत आसपास रहने वाले कई लोग एसडीएम ऑफिस पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई।

3 सितंबर को यह रिपोर्ट एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा ने कलेक्टर को पेश की।

8-9 सितंबर को चिह्नित कब्जा धारियों को नोटिस भेजे गए।

नोटिस में 10 दिन की मोहलत दी गई है। 18 सितंबर को आगे की पेशी है।

डायमंड सिटी में कई लोगों के कब्जे सामने आए हैं। जिन्हें नोटिस दिए गए और जवाब मांगा गया।

डायमंड सिटी में कई लोगों के कब्जे सामने आए हैं। जिन्हें नोटिस दिए गए और जवाब मांगा गया।

सीमांकन में इतना कब्जा मिला था | सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार, 4 कॉलोनी के गेट, सड़क और पार्क भी कब्जे में शामिल हैं। वहीं, डायमंड सिटी कॉलोनी में 20 मकान, एक प्राइवेट स्कूल, शादी हॉल/रिसोर्ट, 1 एकड़ जमीन पर खेती, फार्म हाउस और पक्का निर्माण और 130 डेसीमल भूमि पर अवैध तरीके से खेती करना पाया गया। दुकानें, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पेट्रोल पंप नगर निगम के हैं। वहीं, बायपास का 200 फीट हिस्सा भी पशुपालन विभाग की जमीन पर ही निकला था। ऐसे में इन्हें सरकारी प्रक्रिया में कोई राहत मिल सकती है।

इसलिए किया गया था सीमांकन

34 साल बाद पशुपालन विभाग को सीमांकन के पीछे भोपाल के मछली परिवार पर हुई कार्रवाई है। ड्रग्स और रेप केस के मामले में इस परिवार के दो सदस्य जेल में बंद है, जबकि अन्य पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद 30 जुलाई और फिर 21 अगस्त को जिला प्रशासन ने दो बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 बड़े अवैध निर्माण जमींदोज कर दिए। ये सभी सरकारी जमीन पर बनाए जाना सामने आए। इस जमीन की कीमत सवा सौ करोड़ रुपए आंकी गई। इसी बीच पशुपालन विभाग ने गोविंदपुरा एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा को एक आवेदन दिया, जिसमें कहा गया कि उनकी जमीन पर भी कब्जा हो सकता है। इसलिए सीमांकन किया जाए। प्रशासन ने पड़ताल की तो कब्जे की बात सही निकली। इसके बाद मछली परिवार समेत 20 लोगों को नोटिस दिए गए। इन्हें भी सीमांकन के दौरान मौजूद रहने को कहा गया था। हालांकि, मछली परिवार की तरफ से वकीलों ने अपना पक्ष भी रखा। कहा कि जमीन पर उनका कब्जा नहीं है।

मप्र का गजब मामला

नेता से नहीं बल्कि बंदरिया से कराया पशु-पक्षियों के बने आश्रम का उद्घाटन

दोहपर मेट्रो, भोपाल/भिंड

मध्य प्रदेश के भिंड शहर में स्थित पशु-पक्षियों के आश्रय व उपचार स्थल में नवनिर्मित हाल का उद्घाटन एक मादा बंदर से कराया गया। रोमा नामक मादा बंदर ने बकायदा फीता काटकर हाल का लोकार्पण किया। यह आयोजन सोमवार को हुआ था। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार इंसानियत समिति यहां 2013 से आश्रम का संचालन कर रही है। इस आश्रम में बीमार या घायल मिले वन्यजीवों-पशुओं व पक्षियों को रखा जाता है। उनका पशु चिकित्सकों से इलाज कराया जाता है। स्वस्थ होने के बाद उन्हें मुक्त किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष अध्यक्ष अनंत इंसानियत ने बताया कि

समिति कर चुकी है हजारों जानवरों का इलाज

समिति ने ही उसका नामकरण रोमा किया है। संस्था का नया हाल बनने पर उसी मादा बंदर से उद्घाटन कराने का निर्णय समिति ने लिया। उद्घाटन के समय समिति के लोग भावुक हो गए। बता दें कि यह समिति अब तक 350 से अधिक घायल बंदरों, 5500 से कुत्तों, बिल्ली व पक्षियों का उपचार करा चुकी है। यहां न सिर्फ मध्य प्रदेश बल्कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान से भी घायल पशु-पक्षी लेकर लोग पहुंचते हैं।

कुछ माह पूर्व एक मादा बंदर शहर में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई थी। समिति की टीम ने उसे रेस्क्यू कर उपचार कराया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। चलने-फिरने में वह थोड़ी असमर्थ जरूर है।

प्रदेश के 9 हजार 307 सरकारी स्कूलों में हुई पीटीएम

22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर हुई चर्चा

भोपाल। प्रदेश में कक्षा 9 से 12 तक के 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की त्रैमासिक परीक्षा के बाद शैक्षणिक प्रगति के मूल्यांकन के लिये मंगलवार को अभिभावकों और शिक्षकों की मीटिंग (पीटीएम) हुई। त्रैमासिक परीक्षा में 22 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। पीटीएम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पालक और विद्यालय के बीच सहयोगात्मक साझेदारी का निर्माण कर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिये एक सहायक वातावरण निर्मित करना है। पीटीएम के जरिए पालक को अपने बच्चे की शैक्षणिक प्रगति व्यवहार और सामाजिक, भावनात्मक विकास को समझने में सहायता मिली है। पीटीएम के माध्यम से शिक्षकों को भी विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश के बारे में जानकारी मिली है। यह परस्पर संवाद विद्यार्थियों के विभिन्न आयामों में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता करता है। इस प्रक्रिया के बाद स्कूल शिक्षा विभाग को विद्यालय में शैक्षिक प्रगति के लिये प्रभावी रणनीति बनाने में सहायता मिलेगी।

अगर हम विंध्य जीत लें तो बन जाएगी कांग्रेस की सरकार

रीवा/भोपाल। मप्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने दावा किया है कि अगर हम विंध्य जीत लेंगे तो मप्र में कांग्रेस की सरकार बन जाएगी। दिग्गी ने यह बात पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्रीनिवास तिवारी के शताब्दी समारोह में आयोजित कांग्रेस महासम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। पद्मधर पार्क में आयोजित महासम्मेलन को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब हम विंध्य की ज्यादा सीटें जीतेंगे तभी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। दिग्गी ने स्व. श्रीनिवास तिवारी को याद करते हुए कहा कि उनकी मुलाकात वर्ष 1977 में हुई थी जब वह पहली बार विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। उनके कार्य करने का तरीका ही अलग था। वह जरूरतमंदों के लिए किसी भी हद तक पहुंचकर उनकी मदद करते थे। आज विंध्य के कई ऐसे लोग हैं जो स्व. श्रीनिवास तिवारी द्वारा किए गए कार्यों के कायल हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के पुस्तकालयों से अधिक से अधिक नागरिकों को जोड़ें

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित पुस्तकालयों की गतिविधियों की भोपाल में हुई बैठक में समीक्षा की गयी। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय शिल्पा गुप्ता ने अधिक से अधिक नागरिकों को पुस्तकालयों से जोड़ने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संचालित पुस्तकालयों के सुधार के लिये पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जायेगा। बैठक में पुस्तकालयों के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण के लिये तैयार की गयी कार्य-योजना पर चर्चा की गयी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में केन्द्रीय पुस्तकालयों और 27 जिलों में जिला पुस्तकालय का संचालन किया जा रहा है। विभाग द्वारा भोपाल के जीटीबी कॉम्पलेक्स में स्वामी विवेकानंद लायब्रेरी का भी संचालन किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर | लापरवाही का खामियाजा भुगत रही जनता, हर दिन हो रहे परेशान

मप्र में पानी के बिल ऑनलाइन जमा करने की सुविधा तीन दिन से ठप

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेशभर के 418 नगरीय निकायों में पानी के बिल घर बैठे ऑनलाइन जमा करने की सुविधा पिछले तीन दिनों से ठप पड़ी हुई है। पानी के बिल जमा करने के लिए मध्यप्रदेश ई-नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से प्रक्रिया की जाती है। इसमें नगरीय निकाय का चयन करने के बाद कनेक्शन नंबर डालकर बिल का भुगतान किया जा सकता है। इसके लिए एक्सिस बैंक द्वारा ई-नगर पालिका पोर्टल पर पेमेंट गेटवे की सुविधा दी गई है लेकिन पिछले तीन दिन से ये पेमेंट गेटवे बंद है। इसके चलते ऑनलाइन भुगतान करने का प्रयास कर रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे लोग या तो नगरीय निकायों के कार्यालयों में जाकर नगद राशि देकर बिल का भुगतान कर रहे हैं या फिर नगरीय निकायों में मौजूद कोटक बैंक की पीओएस मशीनों के माध्यम से भुगतान हो पा रहा है। इस मामले में नगरीय निकायों ने ई-मेल के माध्यम से नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया है और वहां से एक्सिस बैंक से भी पत्राचार किया जा रहा है, ताकि समस्या का समाधान हो सके। इसका कारण है कि नगरीय निकायों में लाखों की संख्या में नल कनेक्शन हैं और वर्तमान में ज्यादातर लोग ऑनलाइन ही भुगतान करना पसंद करते हैं। ग्वालियर नगर निगम में 1.67 लाख कनेक्शन हैं और लगभग 60 प्रतिशत लोग आनलाइन ही बिल जमा करते हैं।

एप और वेबसाइट में दिक्कत, सिर्फ आईफोन से हो रहे भुगतान

वर्तमान में ई-नगर पालिका के मोबाइल एप और वेबसाइट से भुगतान में दिक्कत आ रही है। इसमें भी एंड्रायड यूजर परेशान हो रहे हैं, क्योंकि उनके मोबाइल में मौजूद एप से यूपीआइ के जरिये भुगतान नहीं हो रहा। जैसे ही पेमेंट के विकल्प पर क्लिक किया जाता है, वैसे ही एरर मैसेज आने लगता है। इसके अलावा एक बार भुगतान की प्रक्रिया का विकल्प चुनने पर अगले 30 मिनट तक कोई ट्रांजेक्शन ना होने का मैसेज भी फ्लैश होने लगता है। हालांकि आइफोन यूजर के साथ ये समस्या नहीं आ रही। आइफोन के माध्यम से भुगतान हो रहे हैं। पीओएस मशीन और आइफोन यूजर द्वारा बिल जमा करने के कारण नगरीय प्रशासन विभाग में भी ये समस्या चिह्नित नहीं हो पा रही थी। लेकिन बुधवार शाम को इसे देखकर निराकरण कराने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

लोक अदालत में भी आई थी दिक्कत

इससे पहले गत 13 सितंबर को आयोजित लोक अदालत में भी ई-नगर पालिका पोर्टल ठप पड़ने से कई उपभोक्ताओं को जल कर के सरचार्ज में छूट नहीं मिल सकी थी। सुबह 10 से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक ई-नगर पालिका पोर्टल ठप पड़ा हुआ था, जबकि लोग लाइन में लगकर बिल जमा कराने और सरचार्ज में छूट प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे। काफी समय तक इंतजार करने के बाद कई उपभोक्ता निराश होकर लौट आए। इसके बाद दोपहर लगभग दो बजे से सर्वर चलने पर फिर काम शुरू हो सका। ई-नगर पालिका पोर्टल से जल कर जमा करने में आ रही समस्या को दिखवाया जा रहा है। टीम इस पर काम कर रही है। जल्द ही इसका निराकरण कर दिया जाएगा। देवेंद्र व्यास, उप संचालक, नगरीय प्रशासन विभाग

शब्दों की चादर

आ ए दिन अखबारों और चैनलों में सुर्खियां पढ़ते हुए एक सवाल बार-बार कचोटता है- आखिर क्यों हमारे समाज और मीडिया ने अपराधियों को 'मनचला' और 'सिरफिरा आशिक' जैसे शब्दों की चादर ओढ़ा दी है? तेजाब फेंकने वाला, चाकू से वार करने वाला, गोली चलाने वाला, परिवार को घायल करने वाला- इन सबको हम हल्के-फुल्के विशेषणों से नवाज देते हैं। मानो यह कोई शरारत हो, कोई मासूम भूल हो। 'मनचला' शब्द सुनते ही अपराधी की हिंसा किसी चाहत में बदल जाती है। जैसे उसकी नृशंसता नहीं, उसका दिल मचल गया हो। और जब हम 'सिरफिरा आशिक' कहते हैं, तो यह अपराध मानसिक अस्थिरता के मजाक में सिमट जाता है। पीड़िता का दर्द, उसका उजड़ता घर-परिवार, उसका टूटा हुआ भविष्य- ये सब कहीं पीछे छूट जाते हैं। भाषा केवल शब्द नहीं होती, यह समाज की सोच गढ़ती है। मनचला अपराधी को लगभग वैधता दे देता है- 'क्या करे, बेचारे का मन चल गया।' सिरफिरा आशिक सहानुभूति बटोर लेता है- 'अरे, उसका तो दिमाग ही फिर गया था।' लेकिन क्या कभी किसी ने उन औरतों से पूछा है जिन पर तेजाब डाला गया, जिनके पति और पिता घायल किए गए, जिनकी जिंदगी हमेशा के लिए बर्बाद हो गई? क्या उनके दर्द को भी शब्दों ने जगह दी? यही भाषा का खेल 'दबंग' शब्द में भी दिखता है। जो खुलेआम दलितों को सताते हैं, खेतों पर कब्जा कर लेते हैं, हत्या कर देते हैं- उन्हें 'दबंग' कहकर पेश किया जाता है। अपराध शक्ति में बदल जाता है और जातिगत जहर समाज की नसों में उतारा जाता है। महिलाओं के मामलों में तो शब्द और भी भारी पड़ते हैं- 'शादी का झांसा देकर दुष्कर्म' या 'नशीला पदार्थ मिलाकर शोषण।' अदालतें तक कह चुकी हैं कि वर्षों तक सहमति से बने संबंधों को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। लेकिन मीडिया यही रट लगाता रहता है। नतीजा यह होता है कि वास्तविक पीड़िताओं का दर्द दब जाता है और न्याय की राह उनके लिए और कठिन हो जाती है। दरअसल, अपराध का सच शब्दों से ढका नहीं जा सकता। अपराधी अपराधी ही है- न कि मनचला, सिरफिरा या दबंग। लेकिन जब हम उसे ऐसे संबोधित करते हैं, तो हम अपराध की गंभीरता को हल्का करते हैं और पीड़िता की पीड़ा को गौण बना देते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि मीडिया अपनी शब्दावली पर पुनर्विचार करे। अपराध को प्रेम की कवायद, मानसिक बीमारी या ताकत के तमगे में बदलना बंद करे। पीड़िताओं का दर्द शब्दों में जगह पाए, अपराधी का अपराध नाम से ही स्पष्ट हो। क्योंकि जब तक भाषा सच्चाई नहीं बोलेगी, न्याय भी अधूरा रहेगा।

सुविचार

घायल तो यहां हर परिंदा है।
मगर जो फिर से उड़ सका वहीं जिंदा है..
-अज्ञात

निशाना

सीमेंट लोहा गिट्टी रेत खा रहे हैं..!

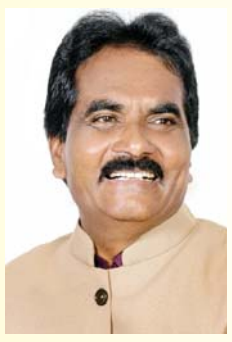

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

पहली बारिश में ढह गया बांध
क्योंकि निर्माण से जुड़े लोगों ने
रिश्वत की रस्सियों से
अपने हाथ रखे थे बांध,
उद्घाटन से पहले नया पुल गिरा
भ्रष्टाचार के चलते यूं आदमी फिर गिरा,
सरकारी इमारत गिरी भरभराकर
क्योंकि इसे बनाने वाले पहले ही
निकल लिए थे जेब भर भरा कर,
यानि दाल रोटी की जगह आज हम
रेत सीमेंट लोहा गिट्टी खा रहे हैं
पता नहीं आखिर क्या चाह रहे हैं,
आखिर किस मुंह से हम
अभियंता दिवस मना रहे हैं,
अपने जीवन में पहले
ईमानदारी और शुचिता को लाओ
तब सीना तान इंजीनियर्स डे मनाओ।

आज का इतिहास

- 1180 फिलिप अगस्टस फ्रांस के राजा बने।
- 1717 पहला ज्ञात ड्यूड पुनरुद्धार समारोह, जॉन टॉलंड द्वारा लंदन में, शरद ऋतु के विषुव में, प्राथरोस हिल में आयोजित किया गया।
- 1769 बोस्टन, मैसाचुसेट्स के जॉन हैरिस ने पहले स्पाइनेट पियानो बनाया।
- 1809 लंदन में रॉयल ओपेरा हाउस के दूसरे थियेटर ने एक साल पहले मूल थिएटर को नष्ट कर दिया था।
- 1810 चिली ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
- 1812 मॉस्को में लगी आग से शहर का 75 फीसदी हिस्सा जलकर खाक हुआ, 12 हजार लोग मारे गए।
- 1821 मैसाचुसेट्स में एमहर्स्ट कॉलेज स्थापित किया गया।
- 1842 पिट्सबर्ग पोस्ट-गैजेट का पहला संस्करण प्रकाशित किया गया।
- 1851 न्यू यॉर्क टाइम्स, इनयूनाइटिड राज्यों में सबसे बड़ा महानगरीय समाचार पत्र स्थापित किया गया था।
- 1851 न्यूयार्क टाइम्स अखबार ने प्रकाशन शुरू किया।
- 1879 अंग्रेजी समुद्र तटीय शहर ब्लैकपूल में ब्लैकपूल इल्युमिनेशन, जिसे पृथ्वी पर सबसे बड़ा मुफ्त प्रकाश शो के रूप में प्रस्तुत किया गया था, पहली बार वेस्विच किया गया था।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम और देशहित की दिशा

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भा रत की न्यायपालिका का एक गौरवशाली इतिहास रहा है कि उसने हमेशा संविधान को सर्वोच्च मानते हुए निर्णय दिए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर जो अंतरिम फैसला सुनाया, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि किसी भी धार्मिक संस्था को संविधान और कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। यह फैसला भले अभी अंतिम न हो, लेकिन इसमें दी गई टिप्पणियाँ और निर्देश वक्फ बोर्ड की दशकों से चली आ रही मनमानी पर अंकुश लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, आगे के लिए अब ये तय है।

वक्फ संपत्तियों की विशालता और विवाद: भारत में वक्फ संपत्तियों का दायरा किसी भी निजी या सरकारी संस्थान से बड़ा है। वक्फ बोर्ड के पास देशभर में लगभग 8 लाख से अधिक पंजीकृत संपत्तियाँ और 5 लाख एकड़ से अधिक जमीन है। यह क्षेत्रफल गोवा या सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के आकार से भी बड़ा है। इतनी विशाल संपत्ति का प्रबंधन यदि पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से होता, तो इससे मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में क्रांति आ सकती थी। लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। अब तक अलग अलग कई रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं, जिसमें यह माना गया है कि वक्फ बोर्ड की हजारों संपत्तियाँ या तो अतिक्रमित हैं या उनका इस्तेमाल उद्देश्य के विपरीत हो रहा है।

2009 में कर्नाटक वक्फ बोर्ड घोटाला सामने आया था, जिसमें 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियाँ औने-पौने दाम पर बेच दी गई थीं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी वक्फ बोर्डों पर जमीनों को अवैध रूप से किराये पर देने और निजी लाभ कमाने के आरोप बार-बार उठते रहे हैं। इन उदाहरणों से साफ है कि वक्फ संपत्तियाँ केवल धार्मिक-सामाजिक सेवा का माध्यम न रहकर विवाद, भ्रष्टाचार और राजनीति का अड्डा बन चुकी थीं।

संसद की चिंता और संशोधन की आवश्यकता: संसद में जब वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश हुआ, तो सत्तापक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्डों की अनियंत्रित शक्तियों को सीमित करना जरूरी है। कई सांसदों ने उदाहरण देकर बताया कि कैसे सरकारी अस्पताल, रेलवे स्टेशन और स्कूलों की जमीनों को वक्फ घोषित कर दिया गया।

एक सांसद ने सदन में यहां तक कह दिया था, यह कैसी व्यवस्था है कि कोई भी बोर्ड यह तय कर दे कि यह जमीन वक्फ की है और असली मालिक को सालों तक अदालतों के चक्कर काटने पड़ें? विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वक्फ संपत्तियों का सही सर्वेक्षण हो, उनका मालिकाना हक स्पष्ट हो और बोर्ड मनमाने ढंग से किसी भी जमीन पर दावा न कर सके। इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वीकार किया कि संसद द्वारा पारित कानून की संवैधानिकता का अनुमान हमेशा उसके पक्ष में होता है। इसका अर्थ है कि जब तक कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक न हो, तब तक अदालत उसे निरस्त नहीं कर सकती। अदालत ने अंतरिम आदेश में तीन अहम बातें कहीं हैं, कलेक्टर की भूमिका बनी रहेगी, वक्फ बोर्ड के दावों की जाँच अब प्रशासनिक स्तर पर भी होगी। एएसआई सर्वेक्षण पर रोक नहीं है, अत-पारदर्शिता और प्रमाण आधारित दावों को बढ़ावा मिलेगा। लिमिटेशन एक्ट लागू होना चाहिए, ताकि

नागरिकों और संस्थाओं को अनिश्चितकाल तक मुकदमों के दलदल में न फँसना पड़े। यह दृष्टिकोण न केवल संविधान की भावना के अनुरूप है बल्कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करता है।

अन्य धार्मिक संस्थाओं से तुलना: भारत में केवल वक्फ बोर्ड ही ऐसा नहीं है जिसके पास धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन है। हिंदू मंदिरों और सिख गुरुद्वारों का भी बड़ा नेटवर्क है। लेकिन उनके संचालन में सरकार का नियमन अधिक स्पष्ट है। दक्षिण भारत के कई बड़े मंदिरों (जैसे तिरुपति) का प्रबंधन राज्य सरकार की निगरानी में है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी पंजाब सरकार और अदालतों के दिशा-निर्देशों के अधीन काम करती है। तो फिर वक्फ बोर्ड को विशेषाधिकार क्यों मिले? यही सवाल सुप्रीम कोर्ट और संसद दोनों के सामने था।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर रोक: सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से वक्फ बोर्ड की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मनमाने ढंग से संपत्तियों को वक्फ घोषित करने पर लगाम कस दी है। अब किसी भी संपत्ति पर दावा करने से पहले दस्तावेजी प्रमाण और प्रशासनिक जाँच आवश्यक होगी। यह कदम उन लाखों नागरिकों के लिए राहत है जिनकी निजी या पैतृक जमीनों पर वर्षों से वक्फ के झूठे दावे चल रहे हैं। स्वाभाविक है कि जब संपत्तियों पर धार्मिक विवाद कम होंगे तो समाज में सौहार्द बढ़ेगा। देशभर की अदालतों में वक्फ संपत्तियों से जुड़े हजारों मुकदमे लंबित हैं। पारदर्शी प्रक्रिया से यह संख्या घटेगी। इस व्यवस्था से वक्फ संपत्तियों का असली लाभ गरीब और पिछड़े मुस्लिम समाज को मिल सकेगा। साथ ही लिमिटेशन एक्ट लागू होने से मुकदमे समयबद्ध होंगे और कभी भी दावा करने की प्रवृत्ति खत्म होगी।

मुस्लिम पक्ष-वास्तविकता और भ्रांतियाँ: मुस्लिम संगठन कह रहे हैं कि इस फैसले से उनकी संपत्तियों पर खतरा बढ़ जाएगा। लेकिन सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों को छीनने का आदेश नहीं दिया, बल्कि केवल उनकी जाँच और पारदर्शिता पर जोर दिया है। यदि वक्फ बोर्ड के पास वैध दस्तावेज और प्रमाण हैं, तो उन्हें किसी भी तरह का डर नहीं होना चाहिए। उलटे इस फैसले से उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी, क्योंकि यह साबित होगा कि उनकी संपत्तियाँ सही तरीके से पंजीकृत और उपयोग में हैं।

इस तरह से यदि इस निर्णय की गंभीरता और सत्यता देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश केवल कानूनी पहलू नहीं है, यह एक सामाजिक संदेश भी देता है कि धार्मिक संस्थाएँ भी पारदर्शिता और जवाबदेही से परे नहीं हो सकतीं। वक्फ बोर्ड ने वर्षों तक जो मनमानी की, वह अब सीमित होगी। यह न केवल हिंदू या गैर-मुस्लिम नागरिकों के लिए राहत है, बल्कि मुस्लिम समाज के लिए भी लाभकारी है। क्योंकि जब संसाधनों का सही उपयोग होगा, तभी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान संभव होगा। यह फैसला देशहित में इसलिए भी है क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि भारत का संविधान सभी धर्मों को समान अधिकार देता है, लेकिन किसी को भी कानून से ऊपर नहीं मानता।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

ड्रैगन का एकाधिकार खत्म करेगा भारत को ताइवान का ऑफर

■ अंजन कुमार

चीन ने इस साल की शुरुआत में परमानेंट मैग्नेट या रेयर अर्थ मैग्नेट की सप्लाई चेन ब्रेक करके दुनिया भर में हड़कंप मचा दिया। परमानेंट मैग्नेट या रेयर अर्थ मैग्नेट के बाजार में चीन का दुनिया के बाजार में एकाधिकार है और यह रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्भर है। चीन के पास दुनिया में सबसे ज्यादा रेयर अर्थ मिनरल्स का भी भंडार है। भारत के पास भी विश्व में इसका तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन इससे परमानेंट मैग्नेट बनाने की टेक्नोलॉजी में अभी यह कहीं नहीं है। अमेरिका और अन्य विकसित देश भी अब इसपर काम में जुटे हैं। इन परिस्थितियों में चीन के सबसे बड़े दुश्मन ताइवान ने भारत को खुला ऑफर दिया है। वह चाहता है कि भारत रेयर अर्थ मिनरल्स दे और बदले में सेमीकंडक्टर और उसकी अन्य टेक्नोलॉजी ले।

चीन को चिढ़ाने ताइवाइनी ऑफर: आज के जमाने में लगभग हर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक चीजों के लिए सेमीकंडक्टर जरूरी है। चाहे कंप्यूटर हो या स्मार्टफोन या फिर एलईडी लाइट्स, सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक कार से लेकर घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद तक या फिर रक्षा निर्माण बिना सेमीकंडक्टर के मुश्किल है। नई दिल्ली में ताइवान एक्सपो 2025 के दौरान उसकी ओर से भारत को बहुत बड़ा संदेश मिला है, जो दोनों मुल्कों के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई से ताइवान के TAITRA (ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल) के डिप्टी डायरेक्टर केवन चेंग ने कहा कि उनका देश हाई-टेक उद्योगों के लिए भारत से रेयर अर्थ मिनरल्स लेने के लिए बहुत ज्यादा इच्छुक है। उन्होंने कहा, हमारे पास उत्पाद बनाने के लिए टेक्नोलॉजी है, लेकिन हमें भारत से मिनरल्स चाहिए, ताकि हम साथ में काम कर सकें।

भारत में दुर्लभ खनिज का तीसरा बड़ा भंडार: भारत में करीब 6.9 मिलियन मीट्रिक टन दुर्लभ खनिज (rare earth) के भंडार होने का अनुमान है। यह दुनिया में इसका तीसरा सबसे बड़ा भंडार है। भारत से आगे सिर्फ चीन और ब्राजील जैसे मुल्क हैं। इंडिया ब्रैंड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया, रूस, वियतनाम, अमेरिका और ग्रीनलैंड के पास इसका भंडार है। लेकिन, भारत इतने बड़े दुर्लभ खनिज भंडार होने के बावजूद इसे संशोधित करके उससे परमानेंट मैग्नेट या रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने की तकनीक में अभी शुरुआती पायदान पर ही है। जबसे चीन ने टेंशन देना शुरू किया है, तब से भारत समेत दुनिया के कुछ और देशों को भी इसकी खामी महसूस हुई है।

भारत भी क्रिटिकल मिनरल्स पर एक्टिव: भारत सरकार खनन मंत्रालय के माध्यम से क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन को दुरुस्त करने के लिए लगातार काम में जुटी हुई है। इसकी ग्लोबल वैल्यू चेन तैयार करने के लिए इसने मिनरल्स सिक्योरिटी पार्टनरशिप, इंडो पेसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क और इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के साथ भी तालमेल बिठा रहा है। साथ ही यह स्वदेशी कंपनियों को इंसेंटिव देकर भारत में ही ज्यादा से ज्यादा परमानेंट मैग्नेट बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है।

सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़े निवेश की तैयारी: ताइवान ने भारत को एक और अच्छा ऑफर दिया है। इसके अनुसार सेमीकंडक्टर बनाने वाली ताइवानी कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बना रही हैं। इसमें से एक पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन टाटा ग्रुप के साथ मिलकर अगले साल से भारत में बड़े पैमाने पर चिप उत्पादन की दिशा में भी काम पर जुटी हुई है।

भारत-ताइवान की दोस्ती बदलेगी जियोपॉलिटिक्स: आज की

तारीख में दुनिया में जितने सेमीकंडक्टर बनते हैं, उनमें से 60 प्रतिशत ताइवान ही बनाता है। लेकिन, अमेरिका से मिली टैरिफ की चुनौतियों को देखते हुए उसके लिए भारत बहुत ज्यादा महफूज लग रहा है, जिसकी घरेलू खपत भी बहुत ज्यादा है और साथ ही यहां न तो स्किल की कमी है और न ही टैलेंट का लोचा है। सामरिक नजरिए से भी भारत और ताइवान में तालमेल दक्षिण एशिया की जियोपॉलिटिक्स बदल सकता है।

दोनों ही मुल्कों के लिए फायदे का सौदा: जहां तक भारत की बात है तो इस क्षेत्र में हर प्रगति उसकी स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। दूसरी तरफ ताइवान के लिए अपनी सप्लाई चेन को भविष्य में बनाए रखने के लिए एक बड़ा बाजार मिल रहा है। कुल मिलाकर यह ऑफर दोनों ही मुल्कों के लिए लंबी अवधि में फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

- साभार

इंदौर की सड़क पर बेकाबू ट्रक, पुलिस तंत्र और समाज का असली चेहरा

इं दौर शहर की सड़कों पर जब एक बेकाबू ट्रक ने मौत का खेल खेला, तो हर तरफ दहशत और चीख पुकार का माहौल था। कोई अपनी जान बचाने के लिए दौड़ रहा था, कोई घायल होकर मदद की गुहार लगा रहा था। ट्रक लगातार वाहनों को रौंदते हुए आगे बढ़ रहा था और ऐसा लग रहा था कि शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में प्रवेश करते ही यह और बड़ी तबाही मचाएगा। ऐसे संकट की घड़ी में अफरा-तफरी और भय के बीच ट्रैफिक कांस्टेबल पंकज यादव और एक सामान्य ऑटो चालक अनिल कोठारी ने वही किया जिसे असली साहस और कर्तव्यनिष्ठा कहा जाता है।

कांस्टेबल पंकज यादव ने अपनी जान की परवाह किए बिना ट्रक का पीछा किया। चलती गाड़ी पर चढ़ना, ड्राइवर को काबू में करना और अंततः अनेकों जिंदगियों को बचाना, यह किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं था। किंतु यह वास्तविकता थी। उन्होंने साबित किया कि वर्दी का अर्थ सिर्फ शक्ति का प्रदर्शन नहीं है, जनता की रक्षा के लिए हर पल तत्पर रहना भी है। दूसरी ओर, ऑटो चालक अनिल कोठारी स्वयं घायल होने के बावजूद रुके नहीं। उन्होंने अपने ही ऑटो को घायलों की सेवा में लगा दिया। यह उस संवेदनशील समाज का प्रतीक है जहाँ आम आदमी भी संकट में देवदूत बन सकता है। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का इन दोनों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने का निर्णय स्वागतयोग्य है, परंतु असली सम्मान तब होगा जब यह घटना पुलिस और नागरिक समाज दोनों के लिए आदर्श बने। हर पुलिसकर्मी पंकज यादव और हर नागरिक अनिल कोठारी बनने की प्रेरणा ले। क्योंकि यह तस्वीर का केवल एक उज्जवल पहलू है। दूसरी ओर कुछ ऐसी घटनाएँ भी हाल के दिनों में सामने आई हैं, जिन्होंने पुलिस और संबंधित संस्थाओं की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। ग्वालियर में पुलिस द्वारा अदालतों में फर्जी गवाह पेश करने का मामला सामने आया। एक ही व्यक्ति को सैकड़ों मुकदमों में गवाह दिखा दिया गया। यह न्याय की आत्मा पर सीधा प्रहार था। पुलिस यदि सच और गवाहों में हेरफेर करेगी तो अदालत किस आधार पर न्याय करेगी? जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा?

इसी प्रकार नीमच में 16 साल पहले हुई मुठभेड़ को अब फर्जी बताया जा रहा है। सीबीआई ने जांच में पाया कि यह मुठभेड़ वास्तविक नहीं थी और इसमें शामिल पुलिस अधिकारियों पर अब वारंट जारी हो रहे हैं। सवाल यह है कि इतने वर्षों तक यह मामला दबा क्यों रहा? इंदौर की पुलिस पर भी गंभीर सवाल उठे जब यह सामने आया कि थाने में रखे गए महत्वपूर्ण साक्ष्य चूहों द्वारा नष्ट कर दिए गए। हत्या जैसे गंभीर मामलों के सबूत सुरक्षित नहीं रखे गए और अदालत को कहना पड़ा कि यह बेहद शर्मनाक स्थिति है। न्याय तभी संभव है जब सबूत सुरक्षित हों, लेकिन यदि साक्ष्य ही गायब हो जाएँ तो अपराधी को सजा कौन दिलाएगा? यह घटनाएं दर्शाती हैं कि लापरवाही किस हद तक गहरी है।

ट्रैफिक कांस्टेबल पंकज यादव

ऑटो चालक अनिल कोठारी

इसके अलावा पुलिस भर्ती परीक्षा में भी गड़बड़ियाँ सामने आईं। उम्मीदवारों ने फर्जी आधार कार्ड और दूसरे लोगों को परीक्षा में बैठाने जैसी चालें चलीं। अब जहाँ एक ओर पंकज यादव जैसे सच्चे पुलिसकर्मी वर्दी का मान बढ़ाते हैं, वहीं कुछ अधिकारी अपनी लापरवाही और गलत कामों से पूरी पुलिस पर दाग लगा देते हैं। बाल संरक्षण के क्षेत्र में भी हाल के दिनों में दो गंभीर घटनाएँ सामने आईं जिन्होंने तंत्र की असफलता को उजागर कर दिया। पन्ना में बाल कल्याण समिति और संबंधित अधिकारियों ने एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को ही आरोपी के घर भेज दिया। परिणाम यह हुआ कि पीड़िता को दोबारा शोषण का शिकार होना पड़ा। इस मामले में समिति के सदस्यों और अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि बालकल्याण समिति की शिकायत है कि उसका सही पक्ष नहीं सुना गया है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि प्रदेश तभी सुरक्षित, मजबूत और संवेदनशील बनेगा जब पुलिस बल साहसी और जवाबदेह दोनों बने और नागरिक समाज संवेदनशील और सहयोगी। ऐसी स्थिति में ही हम यह कह पाएँगे कि हमारे द्वारा आज एक ऐसा समाज बनाया जा रहा है जो बहादुरी के साथ जिम्मेदारी और कर्तव्य पर भी खड़ा है। पंकज यादव और अनिल कोठारी जैसे नाम प्रेरणा हैं, परंतु उनके साथ-साथ उन चूकों को भी याद रखना होगा जो हमें यह सिखाती हैं कि सुधार की जरूरत अभी बाकी है। जब बहादुरी और जिम्मेदारी का संगम होगा तभी प्रदेश सच में एक सुरक्षित और न्यायपूर्ण प्रदेश बन पाएगा।

सिरोंज जिला बनाने की मांग को लेकर राज्य पुनर्गठन आयोग को दावा प्रस्तुत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। सिरोंज को जिला बनाने की मांग को लेकर स्थानीय नगरपालिका परिषद के सदस्यों ने नपाध्यक्ष मनमोहन साहू के नेतृत्व में बुधवार को मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन

आयोग के अध्यक्ष एस एन मिश्रा से भेंट की। सिरोंज को जिला बनाने दावा पेश करते हुए सौंपे गए ज्ञापन में नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने कहा कि तहसील सिरोंज जिला बनाने हेतु भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व,बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक जरूरतों के मापदंडों को पूर्ण करती है। सिरोंज की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जन्नोमुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील सिरोंज जिला विदिशा को नवीन जिला बनाने के लिए हम सभी जनप्रतिनिधिगण अनुरोध करते हैं। जिससे आमजनों को दी जा रही सुविधाओं,बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का बेहतर क्रियान्वयन हो सके। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों ने शमशाबाद, लटेरी, कुरवाई एवं नवीन प्रस्तावित तहसील पथरिया को शामिल करते हुए सिरोंज को नवीन जिला बनाने की बात कही। तथा ज्ञापन के साथ नवीन जिला गठन के लिए प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की प्रश्नावली की बिंदुवार जानकारी भी लिखित रूप में तथ्यात्मक आंकड़ों के साथ प्रस्तुत की।

खेत में मिला मगरमच्छ का शव

नर्मदापुरम। सामान्य वन क्षेत्र में ग्राम निम्भोरा, सिंघवाड़ा के पास नहर किनारे खेत में बुधवार को एक मगरमच्छ के बच्चे का शव मिला है। गश्ती दल की सूचना के बाद अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वॉड ने भी इलाके सर्चिग की है। शव दो दिन पुराना होने की संभावना है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चिकित्सक डॉ. गुरुदत्त शर्मा ने शव का पोस्टमार्टम किया। सामान्य वन क्षेत्र के वनरक्षक फूलेन रंजन, चौकीदार सुरेश, महेंद्र ने गश्त के दौरान खेत में लगभग दो वर्ष के मगरमच्छ का शव देखा। डॉग स्क्वाड के साथ अमले ने आसपास के क्षेत्रों की सर्चिग की लेकिन शिकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है। जिस जगह शव मिला उसके पास नहर है। इसलिए आशंका जताई जा रही है। मगरमच्छ नहर से आया होगा। उसकी मौत कैसे हुई इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद होगा। मामले में नर्मदापुरम डीएफओ मयंक गुर्जर का कहना है कि नहर के पास मगरमच्छ का शव मिला है। आसपास के क्षेत्रों की सचिंग में शिकार होने के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। पोस्ट मार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा।

जिलाध्यक्ष बोले इस जिले की सभी नगरपालिकाएं जीतेगी कांग्रेस

कांग्रेस की किसान खेत और वोट चोरी यात्रा के मंच पर होंगे खास चेहरे

इटारसी, दोहपर मेट्रो

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 19 सितंबर को इटारसी में किसान खेत यात्रा के साथ ही वोट चोर-गद्दी छोड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तुलसी चौक पर आमसभा भी होगी जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ नेता मानक अग्रवाल व पूर्व विधायक संजय शामिल होंगे। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक यात्रा साबित होगी, जिसमें करीब 8 हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आने की उम्मीद है। हमने पूरे जिले में कांग्रेस के कर्मठ साथियों को इस यात्रा से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है। यह यात्रा पुरानी इटारसी से शुरू होकर सिटी थाने, पहली लाइन सहित मुख्य मार्ग से तुलसी चौक पर पहुंचेगी।

कांग्रेस में भाजपा की स्लीपर सेल पर बोले जिलाध्यक्ष- जिला कांग्रेस अध्यक्ष पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार से अब जनता त्रस्त हो गई है। पूरे प्रदेश में हालात खराब हो रहे है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में यह यात्राएं आयोजित हो रही है ताकि आम जन की समस्याओं को उठाया जा सके। नगरपालिका चुनाव से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुटता के साथ काम कर रहे हैं इस बार हम जिले की सभी नगरपालिकाओं में जीतेंगे। कांग्रेस में रहकर भाजपा से हाथ मिलाने वाले स्लीपर सेल चेहरों से जुड़े पर उन्होंने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा। इस मामले में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी बहुत सख्त है। जिनको जाना था वे जा चुके हैं। अब वे पछता रहे हैं और हमसे संपर्क में बने हुए हैं ताकि वापसी कर सके मगर अब वो संभव नहीं है। जो लोग अब कांग्रेस में हैं उन सब पर भी नजर रखी जा रही है। जो इस तरह के कामों में लिप्त रहेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।कांग्रेस जिलाध्यक्ष पांडे ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस मुखरता से विरोध करती है और आगे भी करेगी मगर किसी के व्यक्तिगत विरोध के मामले में कांग्रेस कोई कदम नहीं उठाएगी। उन्होंने कहा कि हमने सोमवारा बाजार को लेकर इटारसी नपा कार्यालय में सीएमओ रितु मेहरा से मुलाकात की थी जिस पर उन्होंने संज्ञान लेकर बाजार में कुछ व्यवस्थाएं कराई हैं। अधिकारियों से यदि हम सम्मान से बात करते हैं तो कई जनहित के काम कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक डेस्क चालू कर रहे हैं जिस पर लोगों की समस्याएं सुनी जाएंगी और उनके निराकरण का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, ओम सेन, जिला प्रवक्ता अनिल रैकवार, नंदू वर्मा, गजानन तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मंच के लिए चल रही हैं तैयारियां

तुलसी चौक पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी की जो आमसभा होना है उसके लिए सजने वाले मंच को लेकर भी होमवर्क चल रहा है। मंच पर किन चेहरों को जगह मिलेगी इसकी सूची तैयार की जा रही है। जिलाध्यक्ष पांडे ने इस विषय में ज्यादा कुछ नहीं कहा मगर उनकी बात ने यह संकेत जरुर दिए हैं कि मंच पर इस बार चुनिंदा चेहरे ही दिखेंगे। अब अगर कांग्रेस के मंच को लेकर यह फॉर्मूला लागू होता है तो कई चेहरों को प्रदेश के उन बड़े नेताओं के आजू बाजू में बैठने के अवसर से हाथ धोना पड़ सकता है। मंच पर लागू किया जाने वाला यह फॉर्मूला आमसभा के बाद कांग्रेसियों में ही फूट डलने का बड़ा खतरा पैदा कर सकता है।

सड़कों पर मवेशियों का जमघट, बाहरी वाहनों के आवागमन से जनता परेशान

सिवनी, दोहपर मेट्रो

सिवनी-मालवा नगर में भारी अव्यवस्थाएं व्याप्त हैं। नगर में चारों तरफ अतिक्रमण फैला हुआ है। फुटपाथों पर लोगों का कब्जा और व्यस्ततम गांधी चौक और जय स्तंभ चौक पर फल और सब्जी वालों ने ढेरा जमा रखा है। इससे लोगों को यहां से निकलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश चौक-चौराहा पर मवेशियों का जमघट लगा रहता है, जिससे लोगों को हादसे की आशंका बनी रहती है। इस ओर नगरपालिका और स्थानीय प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है। जय स्तंभ चौक और गांधी चौक, पोस्ट ऑफिस और कृष्ण टॉकीज वाले क्षेत्र में लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। इन्हीं चौराहों पर लोग भी अपनी जिम्मेदारी से किनारा करते नजर आते हैं। वे भी अपने वाहनों को कहीं भी पार्क कर देते हैं, जिससे भी व्यवस्था बिगड़ी हुई है। वह अपने वाहन लगाकर नगर के सौंदरीकरण को मुंह चिढ़ाते हुए नजर आ हैं।

अधिकांश मार्गों की लाइट रहती है बंद

शहर के कई मार्गों पर लाइट भी नहीं जलती है, जिससे लोग हादसे का शिकार होते-होते बचते हैं। मुख्य मार्ग पर शराब दुकान के आसपास शराबियों की भीड़ लगी रहती है। वे खुलेआम जाम छलकाते हैं। लोहिया पुल के दोनों तरफ शाम को महखाना बन जाता है। जहां से महिलाओं को निकालने में भारी असुविधा महसूस होती है। सड़कों पर दोनों और खड़े ट्रैक्टर-ट्राली, कल्टीवेटर और अन्य लोहा मंडी में व्यापार फैला है। इन व्यापारियों का आधे से ज्यादा सामान सड़क पर फैला रहता है। सड़क पर ही ट्रालियों का निर्माण किया जाता है, जो सड़क कारखाना सी दिखाई देती है। रात में भारी वाहनों की आवाजाही प्रबंध नहीं होने के कारण बड़े-बड़े वाहन बायपास होने के बाद भी शहर के बीचों-बीच से निकलते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

नपा द्वारा आयोजित स्वच्छता सेवा अभियान

सांसद, जिलाध्यक्ष - नपाध्यक्ष ने सेठानीघाट पर झाड़ू उठाकर सभी को दिया स्वच्छता का संदेश

नर्मदापुरम, दोहपर मेट्रो

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज जन्मदिन है। समूचे देश में उनका जन्मदिन स्वच्छता सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई थी अब वह जन आंदोलन बन चुका है। गांव हो या महानगर में रहने वाले सभी लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हो गए हैं। यह बात सेठानीघाट पर नगरपालिका द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित स्वच्छता सेवा पखवाड़ा की शुरूआत पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहीं। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर देश को स्वच्छ बनाना चाहिए। हम प्रधानमंत्री श्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए दीर्घायु कामना करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने मां नर्मदा के प्रसिद्ध सेठानीघाट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री बनते ही उनका सबसे पहला विजन स्वच्छ भारत अभियान था।

गाली, मोहल्ला, वार्ड को साफ स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा उपस्थिति अतिथियों और नागरिकों को आगामी 15 दिनों तक आयोजित स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए स्वच्छ भारत अभियान के मंत्र को आत्मसात कर गांव, गली, वार्ड और नगर को स्वच्छ बनाने के लिए जिम्मेदारीपूर्वक हरसंभव प्रयास करना चाहिए। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने कहा कि हमारी परिषद स्वच्छता के मामले में लगातार नवाचार कर रही हैं। नागरिकों को स्वच्छता के फायदे बताकर उनको जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने मां नर्मदा के सेठानीघाट से भारत देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन पर मालाखेड़ी एचएसटीपी प्लांट के पास नमो वाटिका बनाई गई है।

भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस पर निकला चल समारोह

गंजबासोदा, दोपहर मेट्रो। भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पूजन दिवस विश्वकर्मा समाज द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया एवं शहर में भव्य चल समारोह निकाला। बरेठ रोड स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर पर सुबह से पूजन अभिषेक का कार्यक्रम शुरू हुआ जो दोपहर तक चला दोपहर बाद चल समारोह निकाला गया। जिसमें शहर

सहित आसपास से आए सैकड़ों समाज बंधु भगवान विश्वकर्मा जी के पूजन दिवस में शामिल हुए। दोपहर में चल समारोह निकाला गया। जिसमें भगवान विश्वकर्मा जी की आकर्षक झांकी सजाई गई थी। चल समारोह में दो युवक घोड़े पर सवार हाथ में ध्वज लेकर आगे चल रहे थे। वहीं भगवान भोलेनाथ , राम दरबार सहित राधा कृष्ण की सजीव आकर्षक झांकियां सजाई गई थी जो चल समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे। शोभायात्रा का जगह जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वहीं डीजे पर गायक कलाकारों द्वारा गाए जा रहे भगवान के भजनों पर श्रद्धालु नाचते हुए चल रहे थे। और साथ में अखाड़ा भी चल रहा था अखाड़े में कलाकर कर्तव्य दिखा रहे थे।

रामलीला का शुभारंभ श्रीशंकर विवाह और नारदमोह का हुआ मंचन

नर्मदापुरम। नगर में सवा सौ वर्षों से परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष हो रहे श्री रामलीला महोत्सव का आयोजन बड़े श्रीराम मंदिर में बुधवार को घट स्थापना एवं मुकुट पूजन से विधिवत प्रारंभ हुआ । बड़े श्रीराम मंदिर में दोपहर में अनुष्ठान के अंतर्गत 18दिनों तक घट की स्थापना की गई है। श्रीराम , लक्ष्मण ,जानकी , भरत एवं शत्रुघ्न के पात्रों के द्वारा पूजा अर्चना की गई ।उक्त पात्रों द्वारा सेठानी घाट एवं दशहरा मैदान भूमि पूजन करके सेठानी घाट पर बने मंचों की पूजा की गई । सायंकाल में सेठानी घाट पर बनाए गए भव्य मंच से शंकर विवाह एवं नारद मोह की लीला का प्रभावी मंचन किया गया । श्री रामलीला के प्रथम दिवस भगवान शंकर के विवाह की प्रासंगिक की प्रस्तुति की गई पश्चात नारद मोह की लीला में यह बताया गया कि देवर्षि नारद के मन में इंद्र के आसन को पाने की इच्छा जाग उठती है वह घोर तपस्या में लीन हो जाते हैं देवर्षि की तपस्या से इंद्र और देवता को भय लगता है तथा उनकी तपस्या भंग करने के लिए इंद्र अपने मंत्री कामदेव को भेजते हैं कामदेव के असफल हो जाने से देवर्षि नारद में अहंकार उत्पन्न होता है , भगवान विष्णु नारद के इस अहंकार को समाप्त करने के लिए उन्हें वानर का रूप दे देते हैं और स्वयं आपकी अपनी इच्छा अनुसार नारद के दिए गए श्राप को स्वीकार कर त्रेता युग में मनुष्य अवतार लेने का लेने की इच्छा करतें हैं ।

मेट्रो एंकर — बृहस्पति साइंस सेंटर का ग्रहणज्ञान कार्यक्रम

बिना कैलेंडर या पंचाग, आप समझ सकेंगे ग्रहण माह का ज्ञान

इटारसी/ नर्मदापुरम, दोहपर मेट्रो

पितृपक्ष आरंभ की पूर्णिमा 7 सितंबर को हुये चंद्रग्रहण के 15 दिन बाद अब अमावस्या पर सूर्यग्रहण की खगोलीय घटना होने जा रही है। हालांकि यह भारत में नहीं दिखेगा । जोड़ी के रूप मे हुये इन दोनों ग्रहण की घटना के बाद अगला ग्रहण किस महीने में हो सकता है इस बारे में आमलोग कम ही सोचते हैं । लेकिन क्या आप जानते हैं कि ग्रहण भी एक निश्चित अंतराल के बाद होते हैं । ग्रहण के टाईमटेबल की प्रकृति को बताने बृहस्पति साइंस सेंटर के डायरेक्टर राजेश पाराशर ने ग्रहणज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया।

राजेश पाराशर ने बताया कि अंतरिक्ष मे सूर्य की परिक्रमा पृथ्वी कर रही हे और पृथ्वी की परिक्रमा चंद्रमा कर रहा है । परिक्रमा के दौरान जब पृथ्वी और सूर्य के बीच चंद्रमा आ जाता है तब सूर्यग्रहण होता है और जब सूर्य और चंद्रमा

के बीच पृथ्वी आ जाती है तो चंद्रग्रहण होता है ।

राजेश पाराशर ने बताया कि चंद्रमा की कक्षा, पृथ्वी की कक्षा को दो बिंदुओं पर काटती है जिन्हें नोडस कहा जाता है । जब ये पिंड इन नोडस के पास होता हे तो ग्रहण हो सकता है । यह समय ग्रहण का मौसम या इकलिप्स सीजन कहलाता है जो कि लगभग 35 दिन का होता है । इस एक मौसम मे कम से कम दो और अधिकतम 3 ग्रहण हो सकते हैं । ग्रहण के इस मौसम के लगभग 173 दिन या छः महीने बाद जब ये पिंड विपरीत नोड पर पहुंचेगें तो फिर ग्रहण का मौसम आता है । इस तरह साल में लगभग हर छः माह में ग्रहण का मौसम आता है जिसमें कम से कम दो ग्रहण होते हैं । राजेश पाराशर ने बताया कि हर छः माह में ग्रहण मौसम के कारण ही इस साल 2025 में मार्च माह में दो ग्रहण की जोड़ी होने के लगभग 6 माह ही ये दोनों ग्रहण अब सितंबर में हो रहे हैं । लगभग छः माह बाद फिर नया ग्रहण मौसम फरवरी मार्च 2026 में आयेगा तब फिर दो ग्रहण होंगे । कार्यक्रम मे एम एस नरवरिया ने सहयोग किया । कार्यक्रम का आयोजन सांई फार्च्यून सिटी में किया गया ।

ईई, सीएमएचओ, 2 एसडीएम, डीडीए, निगम आयुक्त, जनपद सीईओ समेत 14 अफसर बैठक में नहीं पहुंचे

जिले में प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बेड़ागर्क

स्कूलों से शिक्षक तो टीएल की बैठक से अफसर गैरहाजिर

कलेक्टर ने कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब देने के लिए दिया नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बेड़ागर्क हो रहा है. शिक्षक हों या अफसर सभी अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं. शिक्षक स्कूलो से नदारद मिल रहें हैं तो अफसर समय सीमा (टीएल) की बैठक में जाने से बच रहे हैं. प्रशासन इन गैरजिम्मेदारो पर महज नोटिस थमाने तक ही सीमित है. ऐसे दो मामले सामने आए हैं. कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई टीएल की बैठक से निगम आयुक्त, दो एसडीएम सहित एक दर्जन से ज्यादा अधिकारी बिना सूचना के अनुपस्थित रहे. कलेक्टर संदीप जीआर ने शोकॉज नोटिस दिए हैं. इधर जिला शिक्षा अधिकारी के निरीक्षण में दो प्रभारी प्राचार्य सहित अन्य शिक्षक स्कूल से अनुपस्थित मिले, सभी को नोटिस देकर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है. समय सीमा की बैठक में 14 महत्वपूर्ण विभागों के अफसर नहीं पहुंचे। इनमें चार विभागों के कार्यपालन यंत्री, दो

एसडीएम, सीएमएचओ, निगम आयुक्त, सीईओ सहित तहसीलदार व अन्य अफसर शामिल हैं। कलेक्टर ने अनुपस्थिति पर सभी अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अफसरों से लिखित में जवाब मांगा गया है। इसी माह में ही यह दूसरा अवसर है जब अफसरों ने कलेक्टर व प्रशासन के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय सीमा की बैठक को महत्व नहीं दिया और अनुपस्थित रहे। कलेक्टर कार्यालय से जारी कारण बताओ नोटिस में बैठक से गायब रहे अफसरों को लापरवाह बताया है। इसे अफसरों द्वारा अपने पदीय कर्तव्य निर्वहन में घोर उदासीनता बताया है। अफसरों को कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने कहा है। साथ ही जवाब संतोषजनक नहीं आने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इन अफसरों को दिया कारण बताओ नोटिस

नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, राजेश त्रिपाठी, उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, साहित्य तिवारी, कार्यपालन यंत्री लोनिवी, नवीन मल्होत्रा, कार्यपालन यंत्री, सेतु निगम, राजेश कुमार लिमजे, कार्यपालन यंत्री पीआईयू अशोक मुखाती, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ममता तिमोरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अदिति यादव, एसडीएम सागर, विजय कुमार डेहरिया, एसडीएम बीना, अपूर्व गंगराडे, टीएनसीपी, ललित कुमार मुख्य डिप्टी कमांडेंट होमगार्ड , मनीषा चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवरी जनपद, सौरभ त्रिवेदी, अधिकारीहनौता परियोजना राहुल गौड़, तहसीलदार, सागर ग्रामीण शामिल हैं. गौरतलब है कि बीते एक सितंबर को हुई समय सीमा की बैठक से निगम कमिश्नर, एसडीएम, सीएमओ, सीईओ सहित अन्य अधिकारी बड़ी संख्या मे अनुपस्थित रहे थे।

टी एल की बैठक इसलिए महत्वपूर्ण

समय सीमा की बैठक इस लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकारी योजनाओं व कायों की समीक्षा हो सके. बैठक में कलेक्टर शासन की योजनाओं की विभागों के अधिकारियों से शासकीय कार्यों के कामकाज की रिपोर्ट लेते हैं। उनके लिए आ रही समस्याओं को दूर करने के निर्देश देते हैं। अन्य विभागों में समन्वय भी बनाते हैं.

बाक्स

स्कूलों का निरीक्षण, दो के प्रभारी प्राचार्य व दो शिक्षक अनुपस्थित

सागर. स्कूलों में औचक निरीक्षण दोबारा शुरू किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने जैसीनगर ब्लॉक के तीन हाई स्कूल का निरीक्षण किया, जिनमें चार शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। इनमें से दो प्रभारी प्राचार्य हैं, एक माध्यमिक शिक्षक और एक अतिथि शिक्षक था। डीईओ अरविंद जैन हाई स्कूल बांसा पहुंचे। यहां माध्यमिक शिक्षक रामजी ठाकुर अनुपस्थित थे। उनका एक दिन का वेतन काटने की कार्रवाई करते हुए एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। हाई स्कूल पड़ई में प्रभारी प्राचार्य गोरेलाल पंथी अनुपस्थित पाए गए। हाई स्कूल सताढाना की प्रभारी प्राचार्य डाली जैन एवं अतिथि शिक्षक दीक्षा विश्वकर्मा अनुपस्थित पाई गई। दोनों ही प्रभारी प्राचायों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। जबकि अतिथि शिक्षक की सेवा समाप्ति की कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है।

चुनावी रंजिश में गोली मारकर हत्या

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

दमोह, दोपहर मेट्रो

जिले के पटेरा थाना क्षेत्र में आने वाले शिकारपुरा गांव में चुनावी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटनाक्रम गुरुवार सुबह करीब 9-00 बजे का है। मृतक देवेंद्र लोधी अपने घर से गांव में घूमने निकला था, तभी आरोपी मोती लोधी ने उस पर गोली चला दी। देवेंद्र लोधी के सीने में गोली लगी और वो जमीन पर गिर गया। चंद मिनट में तड़पते हुए उसकी मौत हो गई। इस हत्याकांड के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव पहुंच चुका है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया है।

पटेरा टीआई सरोज सिंह ने बताया कि बीते पंचायत चुनाव में मृतक देवेंद्र लोधी के बड़े पिता का बेटा आनंदी लोधी पंचायत चुनाव में खड़ा हुआ था। इस चुनाव में आरोपी मोती लोधी भी खड़ा हुआ था, लेकिन मृतक देवेंद्र का भाई आनंदी सरपंच का चुनाव जीत गया और मोती हार गया, तभी से आरोपी बैर बनाए हुए था। उनके बीच तनातनी चल रही थी। टीआई का यह भी कहना है कि दोनों के बीच बोलचाल कम था। अभी तक की पूछताछ और परिजनों के बयानों के आधार पर यही तय हो पा रहा है कि इस हत्याकांड की वजह चुनावी रंजिश है। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर श्रमदान कर किया पौधारोपण

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत बुधवार को नगर के मुख्य मार्गो में, चैराहों, बस स्टैंड परिसर, गोरिया घाट पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी भाई सत्येंद्र लोधी शामिल हुए। नगर परिषद के अध्यक्ष एवं समस्त पार्षदगण गणमान्य नागरिक एवं नगर परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला बाल विकास की टीम द्वारा नगर परिषद कार्यालय में अपने वार्डों में स्वच्छता बनाए रखने एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागृत करने हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी, सतेंद्र जैन, विपिन घोषी, कमलेश शर्मा, सीएमओ पीयूष अग्रवाल, उपयंत्री भूपेंद्र सिंह के अलावा नगर परिषद का अमला मौजूद रहा।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा की शुरुआत, महापौर और कलेक्टर ने झाड़ू लगाई

उज्जैन। उज्जैन शहर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ फ्रीगंज टावर चौराहा पर श्रमदान करते हुए किया गया, जिसमें नगर निगम द्वारा टावर चौराहा से शहीद पार्क तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत महापौर मुकेश टटवाल, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएं एवं नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर सफाई कार्य कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान कलेक्टर द्वारा उपस्थित सभी को स्वच्छता की प्रतिज्ञा दिलवाई कि हम अपने उज्जैन शहर को साफ एवं स्वच्छ रखेंगे। कहीं गंदगी नहीं करेंगे और न ही किसी को करने देंगे।

बीमारी के चलते कोटवार ने लगाई फांसी मौत

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को तारादेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोटखेड़ा में बीमारी के चलते कोटवार ने घर के पास जंगल में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का घटनाक्रम सामने आया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार रतन बसोर उम्र 55 वर्ष निवासी कोटखेड़ा थाना तारादेही है जो कि कुछ सालों से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था और जिसका इलाज भी चल रहा था लेकिन मंगलवार को कोटवार ने जंगल में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेन्दूखेड़ा भेजा गया जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पंडालों में विराजेगी मां शक्ति, मूर्तिकार प्रतिमाओं को दे रहे आकार

तेंदूखेड़ा सहित ग्रामीण अंचलों में शारदेय नवरात्र पर्व की तैयारियां अंतिम दौर में

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा

चार दिन बाद 10 दिवसीय शारदेय नवरात्र पर्व प्रारंभ हो रहे हैं पर्व का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे ही तैयारियां तेज होती जा रही है नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचल में आदिशक्ति की प्रतिमा को विराजमान करने के लिए खूबसूरत पंडाल आकार ले रहे हैं, तो वहीं मूर्तिकार मां जगतजननी की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में दिनरात लगे हुए है इस वर्ष मूर्तिकारों में खासा उत्साह देखा जा रहा है मूर्तिकारों ने बताया कि सामग्री महंगी होने के कारण प्रतिमाओं के दामों में भी आंशिक बढ़ोत्तरी है। बावजूद इसके श्रद्धालुओं द्वारा उत्साह के साथ मूर्ति निर्माण के आर्डर दिए गए है। मूर्तियों के आकार के अनुसार 10 हजार से लेकर 20 हजार और 30 हजार तक की मूर्तियां तैयार की जा रही है उधर दुर्गोत्सव समितियों के सदस्यों ने बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व को लेकर तैयारियां जारी है प्रतिमाओं को विराजमान करने के लिए आकर्षण पंडाल बनाए जा रहे हैं। इन पंडालों को मंदिर, माँ वैष्णोदेवी गुफा से लेकर विभिन्न रूप दिए जा रहे हैं। सजावट लाइटिंग, झांकी आदि की तैयारी की जा रही है।

शारदेय नवरात्र पर माँ आदिशक्ति की प्रतिमा विराजमान करने के लिए ऑर्डर मिले हैं समितियों ने माँ दुर्गा के विभिन्न रूप की प्रतिमा बनाने के लिए कहा है। ऑर्डर अनुसार और उनके बताए अनुसार प्रतिमाएं बनाई गई है। शारदीय नवरात्र पर्व का खासा उत्साह देखा जा रहा है।

– **छुटुन चक्रवर्ती**, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा

शारदेय नवरात्र पर्व पूरे जिले में उत्साह के साथ मनाया जाता है। 10 दिवसीय पर्व में माँ आदिशक्ति के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है समितियों में भी उत्साह है उनके द्वारा माँ जगत जननी की प्रतिमा की बुकिंग देने पर तैयारियां की जा रही है 20 अक्टूबर तक तैयारियां पूरी कर ली जाएगी। हालाकि पिछले साल की अपेक्षा इस साल सामग्री महंगी मिली है।

– **विजय बेन**, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा

इस बार पर्व लगातार होने के कारण प्रतिमा बनाने कम समय मिला है। लेकिन मूर्तियां बनकर जल्द तैयार हो चुकी है। अब सिर्फ मूर्तियों में रंगरोगन और करना है। अंतिम रूप देने का दौर तेजी से चल रहा है। इस बार मूर्तियों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीण अंचलों से भी बहुत आर्डर आए हैं

– **अनूप सिंह ठाकुर**, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा

मूर्तिकार बबलू बेन बताते हैं कि माटी कलाकारों को मंहगाई के चलते भी मूर्ति तैयार करने में समस्या आती है। मिट्टी, बांस, पटिया सभी के दाम लगतार बढ़ रहे हैं, जिसके चलते मूर्ति तैयार करने के लिए पहले उन्हें सामग्री क्रय करनी पड़ती है। इसके बाद समितियों की डिमांड आती है, प्रतिमाएं तैयार कर रहे है

– **बबलू बेन पूरन**, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा

सीआरपीएफ मुख्यालय पर वाहनों व औजारों की पूजन कर मनाई विश्वकर्मा जयंती

मंडला, दोपहर मेट्रो

मंडला जिले में सीआरपीएफ 148वीं बटालियन पुलिस लाइन मुख्यालय पर विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पारंपरिक रूप से वाहनों और औजारों की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में कमांडेंट विक्रांत सारंगपाणि की उपस्थिति में विधिवत पूजा संपन्न हुई। इसके बाद अधिकारियों और जवानों ने सामूहिक रूप से हवन किया। अंत में प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने भाग लिया। कमांडेंट सारंगपाणि ने इस अवसर पर अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कई विभागों में शस्त्रों से अधिक अस्त्रों का महत्व होता है। शाम को अन्य कार्यक्रम और बड़ा खाने का भी आयोजन किया गया।इस दौरान द्वितीय कमान अधिकारी रत्नेश कुमार सिंह, उप कमांडेंट अमरी प्रसाद, उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार, एसएमओ डॉ. भाग्यलक्ष्मी एस सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे।

डिंडोरी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नर्मदा डैम घाट और मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया

डिंडोरी। डिंडोरी में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत बुधवार को नर्मदा डैम घाट और मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम और सीएमओ अमित तिवारी के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने सफाई अभियान में भाग लिया।

भाजपा अध्यक्ष ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि मोदी एक साधारण परिवार से आते हैं। वे चाय विक्रेता से लेकर आरएसएस प्रचारक और मुख्यमंत्री होते हुए देश के प्रधानमंत्री बने।सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान जिले भर में रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण और स्वच्छता अभियान जैसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलकूद प्रतियोगिताएं, योग, फिटनेस गतिविधियां और युवा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

मेट्रो एंकर

पीएमश्री कन्या स्कूल की 12वीं कक्षा में किया था टॉप

छात्रा राबिया अंसारी को दी गई योजना की स्कूटी

मनोज गौड.महेश्वर

17 सितंबर को शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महेश्वर में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निशुल्क स्कूटी योजना के अंतर्गत स्कूटी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस योजना के तहत संस्था की कक्षा 12वीं (होम साइंस संकाय) की छात्रा राबिया असलम अंसारी ने परीक्षा में 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उच्च अंक अर्जित करने पर उन्हें योजना का लाभ मिला और स्कूटी प्रदान की गई।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बृजकांत शुक्ला द्वारा छात्रा राबिया अंसारी को

स्कूटी की चाबी सौंपी गई और उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर प्राचार्य ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी छात्राओं को दी। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि ऐसी योजनाएँ प्रतिभावान और मेहनती विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। साथ ही उन्होंने सभी छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे कठिन परिश्रम कर उच्च अंक अर्जित करें ताकि भविष्य में भी ऐसे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय की समस्त छात्राओं को चॉकलेट वितरित की गई। इस अवसर को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिवार ने इस पहल को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएँ न केवल छात्राओं को शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करती हैं बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का भी मार्ग प्रशस्त करती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा और छात्रा राबिया अंसारी की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया गया।

वार्षिक आमसभा की सूचना

केसला आजीविका किसान उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित सुखतवा के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक आम सभा दिनांक 29/09/2025 दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे स्थान मंगल भवन केसला के प्रांगण में रखी गई है। जिसमें सूचना पत्र में उल्लेखित विषयों पर विचार किया जायेगा। अतः आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

नोट : गणपूर्ति न होने की दशा में वार्षिक आमसभा की बैठक स्थगित की जाकर उसी स्थान पर आधा घंटे पश्चार 12.30 बजे पुनः आयोजित कर प्रस्तावित विषयों पर निर्णय लिये जायेंगे।

1. संस्था का वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं अंकेक्षित लेन देन पत्रक और लाभ हानि पत्रक अनुमोदित करना।
2. वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित वार्षिक कार्यक्रम का अनुमोदन करना।
3. बैंक के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए सांविधिक संपरीक्षा की नियुक्ति बाबत विचार करना।
4. वर्ष 2024-25 में संचालक मंडल के निर्णयों की पुष्टि बाबत।
5. वर्ष 2024-25 में संस्था द्वारा किए गए खर्चो की पुष्टि बाबत।
6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से रखे जावेगी।

नोट - अन्य विषय के अंतर्गत बही प्रस्ताव विचारणीय होंगे जो वार्षिक आमसभा को निर्धारित तिथि से 5 दिन पूर्व लेखीय में सविवरण प्रबंध संचालक के जावेगे।

मीरा बाई यादव — **अध्यक्ष**

रुपेश कुमार धाकड़ — **प्रबंधक**

सूर्या ब्रिगेड की राह पर चलेगी भारतीय महिला टीम

दीप्ति बोलीं- पाकिस्तान से मैच अभी नहीं, जब होगा तक देखा जाएगा

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद हुआ हैंडशेक विवाद अब गहराता जा रहा है। ये सिलसिला अब भारत-पाक के बीच होने वाले आगे के मैचों में भी देखने को मिल सकता है। इसी बीच, अगले महीने से शुरू हो रहे महिला वनडे विश्व कप को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस वर्ल्ड कप में भी भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर होनी है। दोनों टीमें 5 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी। यह हाई-वोल्टेज मैच कोलंबो में खेला जाएगा। फिलहाल भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में व्यस्त है। पहला मैच गंवाने के बाद टीम इंडिया का दूसरा मैच बुधवार को था। इस मैच से पहले टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मीडिया से रूबरू हुईं। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय महिला टीम भी पाकिस्तान से भिड़ने पर पुरुष टीम की तरह हाथ मिलाने से इनकार करेगी, तो उन्होंने इसका जवाब दिया।

हैंडशेक विवाद पर क्या बोली दीप्ति शर्मा

दीप्ति शर्मा ने कहा,अभी हमारा पूरा फोकस ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर है। पाकिस्तान मैच अभी दूर है, इसलिए इस बारे में बाद में ही सोचा जाएगा। जब मुकाबला होगा, तब देखा जाएगा कि क्या करना है।% दीप्ति ने यह भी कहा कि टीम इंडिया मजबूत है और अगर सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ दें, तो सीरीज बराबरी पर लाई जा सकती है। इसके बाद महिला टीम सीधे अपने विश्व कप मिशन पर निकल पड़ेगी। बता दें कि आईसीसी वुमेंड वर्ल्ड कप 2025 का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है। वर्ल्ड कप का पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाना है। वर्ल्ड कप का फाइनल मैच 2 नवंबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान के चलते ये मैच भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रहा है।

आईसीसी रैंकिंग: टी20 गेंदबाजों की लिस्ट में वरुण पहुंचे शीर्ष पर

दुबई। भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हो गए हैं। उन्होंने यह मुकाम पहली बार हासिल किया है। वरुण चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पछाड़कर ने शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान अपने नाम कर चुके हैं। 34 वर्षीय वरुण चक्रवर्ती ने एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ महज 4 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाज अब टेस्ट और टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। जसप्रीत बुमराह लाल गेंद के फॉर्मेट में नंबर 1 गेंदबाज के रूप में मौजूद हैं। मौजूदा एशिया कप में भारत के स्पिन आक्रमण की अगुवाई कर रहे कुलदीप यादव 16 पायदान की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कुलदीप यादव ने यूएई के खिलाफ 4, जबकि पाकिस्तान के विरुद्ध तीन विकेट हासिल किए थे।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

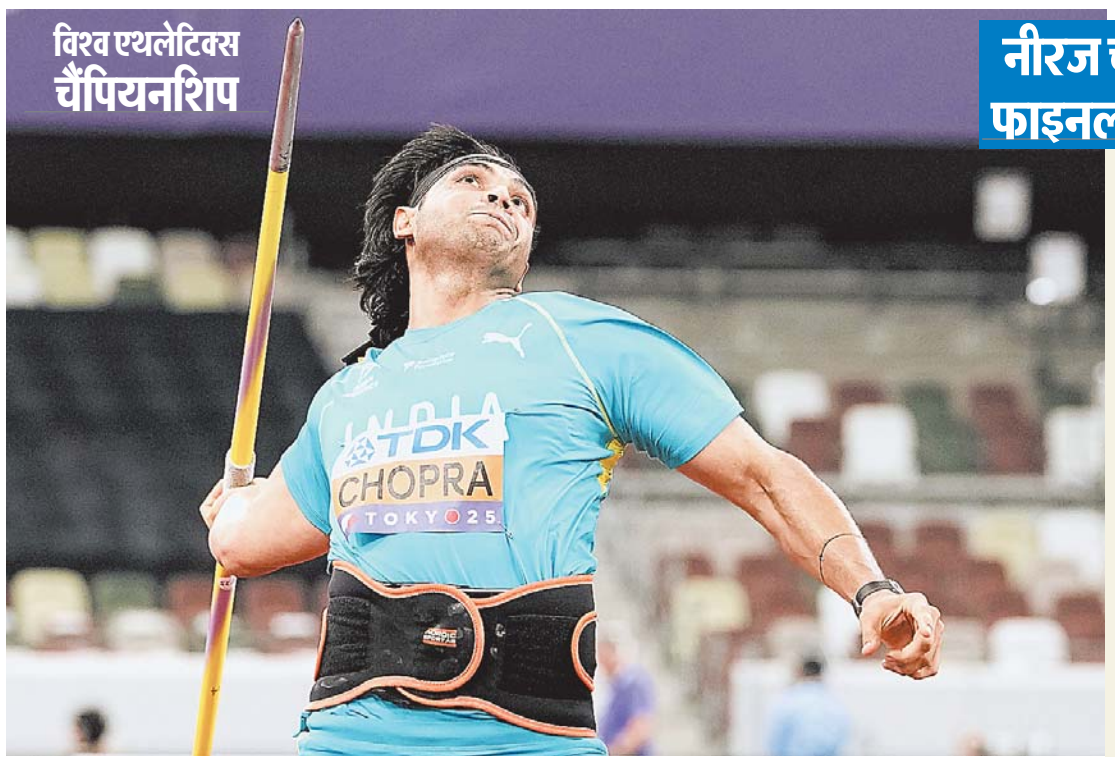

नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

टोक्यो। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वालीफाइंग राउंड के अपने पहले ही प्रयास में आवश्यक क्वालीफाइंग मार्क हासिल कर लिया। नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में 84.85 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल के लिए क्वालीफाइंग मार्क 84.50 मीटर निर्धारित की गई थी। यह लगातार पांचवां मौका था, जब चोपड़ा को फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक प्रयास की आवश्यकता पड़ी। 2020 टोक्यो ओलंपिक, 2022 और 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 पेरिस ओलंपिक के फाइनल में भी चोपड़ा ने पहले प्रयास में ही जगह बनाई थी। जर्मनी के जूलियन वेबर ने दूसरे प्रयास में फाइनल में जगह बनाई। पहले प्रयास में वेबर ने 82.29 मीटर दूर थ्रो फेंका था। दूसरे प्रयास में 87.21 मीटर थ्रो फेंक वह फाइनल में पहुंचे। 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा आज 2023 में बुडापेस्ट में जीते गए विश्व खिताब का बचाव करेंगे।

दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को खेला जाएगा अगला महामुकाबला

एशिया कप में भारत-पाक के बीच एक और भिड़ंत पक्की

नई दिल्ली , एजेंसी

पाकिस्तान और यूएई के बीच बुधवार को खेले गए एशिया कप के 10वें मुकाबले में पाकिस्तान ने 41 रनों से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जबकि मेजबान यूएई का सफर अब खत्म हो गया है। ग्रुप-ए से टीम इंडिया और पाकिस्तान की टीम क्वॉलिफाई कर गई है। इसी के साथ भारत और पाकिस्तान के बीच एक और भिड़ंत का रास्ता साफ हो गया है। दोनों टीमों के बीच अब अगला मुकाबला 21 सितंबर यानी की रविवार को दुबई में खेला जाएगा।

भारत-पाक के बीच एक और भिड़ंत-

दरअसल, एशिया कप में इस बार 8 टीमों ने हिस्सा लिया था। इन टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया था। सुपर-4 के लिए दोनों ग्रुप से कुल 4 टीमों का चयन होना था। ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान, यूएई और ओमान की टीम थी। भारत ने अपने दोनों शुरुआती मुकाबले जीतकर पहले ही सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लिया था। ओमान पहले ही बाहर हो चुका है। पाकिस्तान और यूएई के बीच आगे जाने की टक्कर थी। लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने बाजी मार ली और अब भारत के साथ उसका मुकाबला होगा।

भारत ने 7 विकेट से दी थी पटखनी

इस टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। लेकिन ये मैच उस वक्त विवादों में आ गया था, जब भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान ने इसे लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी। पीसीबी ने आईसीसी से इस मैच के रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की थी।

ऐसा रहा है भारत-पाक का सफर

इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के सफर पर नजर डालें तो टीम इंडिया ने अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ की थी। इस मैच में सूर्या ब्रिगेड ने बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। वहीं, दूसरे मैच में भारत ने पाकिस्तान को ही 7 विकेट से पटखनी दी। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच टीम इंडिया शुक्रवार को ओमान के साथ खेलेगी। वहीं, पाकिस्तान ने अपने अभियान की शुरुआत ओमान के खिलाफ की थी। इसमें पाकिस्तान को जीत मिली थी। दूसरे मैच में पाकिस्तान को हार मिली। जबकि तीसरा मैच पाकिस्तान ने यूएई से खेला और जीत हासिल की। वहीं, यूएई को इस टूर्नामेंट में दो हार और एक जीत मिली। जबकि ओमान को अबतक खेले दोनों मैच में हार मिली है।

बल्लेबाज सुधार कर लें, आगा ने टीम को चेताया

एशिया कप 2025 में बुधवार को पाकिस्तान और यूएई के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम मुकाबला हुआ था। पाकिस्तान ने ग्रुप लीग के आखिरी मुकाबले में यूएई को 41 रन से हराकर सुपर-4 में जगह पक्की कर ली। लेकिन जीत के बावजूद कप्तान सलमान आगा अपनी टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन से खुश नहीं दिखे। उन्होंने साफ कहा- मिडिल ऑर्डर अब भी हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है और खिलाड़ियों को अगले मैचों से पहले सुधार करना ही होगा। पाकिस्तान ने यूएई के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 146/9 का स्कोर खड़ा किया। फखर जमां (36 गेंदों पर 50 रन) ने अर्धशतक लगाया, जबकि मोहम्मद हारिस (18 रन) और शाहीन शाह आफरीदी (14 गेंदों पर नाबाद 29 रन) ने तेज खेल दिखाया। लेकिन टॉप और मिडिल ऑर्डर एक बार फिर बुरी तरह विफल रहा।

एशिया कप : जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगा श्रीलंका

नई दिल्ली। श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच गुरुवार को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का 11वां मुकाबला खेला जाना है। इस मैच का नतीजा ग्रुप-बी की शीर्ष-2 टीमों का फैसला करेगा। ग्रुप-बी की प्वाइंट्स टेबल देखें, तो श्रीलंकाई टीम शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष पर मौजूद है। वहीं, बांग्लादेश ने 3 में से 2 मैच अपने नाम किए हैं। यह टीम दूसरे पायदान पर है। इस मुकाबले में श्रीलंका को बल्लेबाजी में पथुम निसांका और कुसल परेरा से उम्मीदें होंगी, जबकि गेंदबाजी में दुशमंथा चमीरा और वानिंदु हसरंगा मुकाबले का पासा पलटने का माद्दा रखते हैं। दूसरी ओर, अफगानिस्तान की बल्लेबाजी इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल पर काफी हद तक निर्भर कर सकती है। वहीं, गेंदबाजी में राशिद खान और नूर अहमद श्रीलंकाई खेमे को परेशान कर सकते हैं। अफगानिस्तान की टीम 2 में से 1 मैच जीतकर तीसरे स्थान पर मौजूद है, जबकि हांगकांग की टीम शुरुआती तीनों मुकाबले गंवाकर खिताबी दौड़ से बाहर है। आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम की पिच ने एशिया कप में बल्लेबाजों के साथ गेंदबाजों को भी मदद की है। गुरुवार को आबू धाबी का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

स्क्रीन से स्टेच्यू तक: अभिषेक बच्चन की सफलता को मिला भव्य रूप

अभिनेता अभिषेक बच्चन के लिए यह साल फिल्मों के लिहाज़ से बेहद खास रहा है – उन्होंने जहां एक ओर व्यावसायिक ब्लॉकबस्टर फिल्मों में कामयाबी हासिल की, वहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आई उनकी गंभीर और सराही गई फिल्मों ने भी खूब प्रशंसा बटोरी। अब इस सफलता के उत्सव में एक फैन-मेड कांसेप्ट ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है – जिसमें अभिषेक के चर्चित किरदारों को विशाल मूर्तियों के रूप में दिखाया गया है। इनमें गुरु, सरकार, ब्लफमास्टर, धूम, और दिल्ली 6 जैसी फिल्मों के किरदार शामिल हैं। यह शानदार विज़ुअल ट्रिब्यूट इस विचार को दर्शाता है कि अभिषेक जिस भी किरदार को निभाते हैं, वह अपने आप में एक स्मारक बन जाता है। हाल ही में आई वांट टू टॉक फिल्म के लिए उन्हें मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला, जिससे अभिनेता अपनी लगातार सफलता के सिलसिले के लिए चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनकी हालिया रिलीज़ बी हैप्पी और हाउसफुल 5 दोनों ने अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर धूम मचा दी है - बी हैप्पी प्राइम वीडियो पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है और आई वांट टू टॉक नेटफ्लिक्स की टॉप चार्ट्स में शामिल हैं।

मेट्रो बाजार

भारत ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट में ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा

नई दिल्ली। भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट में एक ग्लोबल लीडर के रूप में तेजी से उभर रहा है, क्योंकि देश न केवल वैश्विक जलवायु एजेंडे का पालन कर रहा है, बल्कि आर्थिक समृद्धि और एक मजबूत राष्ट्र के मार्ग के रूप में ग्रीन फ्यूचर के लिए भी एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर रहा है।

इंडिया नैरेटिव में एरिक सोलहेम द्वारा लिखे गए आर्टिकल

में कहा गया, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, अच्छे प्राइवेट सेक्टर और प्रकृति के साथ गहरे दार्शनिक संबंध को मिलाकर भारत यह साबित कर रहा है कि ग्रीन फ्यूचर न केवल संभव है, बल्कि समृद्धि और शक्ति का सीधा मार्ग भी है।

आर्टिकल में आगे कहा गया कि यह परिवर्तन कई शक्तिशाली कारकों के संयोजन से प्रेरित है, जिसमें दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, एक जीवंत व्यावसायिक क्षेत्र और एक सक्रिय समाज शामिल हैं। भारत में इस ग्रीन शिफ्ट को बोझ बनने से कहीं ज्यादा, आर्थिक समृद्धि और राष्ट्रीय शक्ति के मार्ग के रूप में देखा जा रहा है, यह जलवायु परिवर्तन के डर के इर्द-गिर्द नहीं, बल्कि एक उज्जवल, अधिक समृद्ध भविष्य के वादे के इर्द-गिर्द बुना गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत पर अंतरराष्ट्रीय जलवायु वार्ता में बाधा डालने का अनुचित आरोप लगाया गया है और उसे एक ऐसे संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है जिसमें उसका योगदान नगण्य है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सोनू और उनकी बहन ने बढ़ाया मदद का हाथ

100 भैंसें देकर लौटाई उम्मीद

समाजसेवी और अभिनेता सोनू सूद ने अपनी बहन मालविका सूद के साथ मिलकर पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित परिवारों को मदद के लिए 100 भैंसें दान करने का संकल्प लिया है। इस पहल का उद्देश्य बाढ़ पीड़ित परिवार को उनकी आजीविका बहाल करने में मदद करना है, जिनमें से कई ने अपने मवेशी खो दिए हैं - जो जीविका और आय का एक महत्वपूर्ण साधन है।

सोनू सूद, जो पहले भी कई आपातकालीन राहत अभियानों में सबसे आगे रहे हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं के बाद किसानों और ग्रामीण परिवारों को केवल तात्कालिक सहायता नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाला सहयोग चाहिए। उन्होंने कहा- पंजाब में कई परिवारों के लिए, पशुधन न केवल एक संपत्ति है, बल्कि उनके जीवनयापन का प्राथमिक साधन भी है। सोनू सूद ने वादा किया है कि उनकी खोई हुई संपत्ति को वापस लाकर, हम उनके जीवन में स्थिरता और आशा वापस लाएँगे। यह पहल एक बार फिर दर्शाती है कि सोनू सूद संकट के समय सिर्फ साथ खड़े नहीं होते, बल्कि लोगों के भविष्य को संवारने का प्रयास भी करते हैं। महामारी के समय प्रवासी मज़दूरों की सहायता हो, या चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान – सोनू सूद की कोशिशें देशभर के लाखों लोगों के जीवन को लगातार प्रभावित किया है। उनकी बहन मालविका सूद, जो स्वयं भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं, इस प्रयास में उनके साथ हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सच्ची मदद सिर्फ तत्काल राहत नहीं होती, बल्कि दीर्घकालिक लॉन्ग-टर्म में निहित होती है, जो लोगों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने की शक्ति देती है।

जैसे-जैसे पंजाब बाढ़ की त्रासदी से उबरने की कोशिश कर रहा है, सूद भाई-बहन की यह पहल यह संदेश देती है कि असल नायक वे होते हैं जो सिर्फ आज की नहीं, बल्कि कल की भी चिंता करते हैं – और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वास रखते हैं।

जीएसटी रेट कट से उपभोक्ताओं को 2 लाख करोड़ की बचत होगी : वित्त मंत्री

विशाखापत्तनम। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत वस्तुओं और सेवाओं पर कर दरों में कटौती से उपभोक्ताओं को 2 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी, जिससे आम लोगों के हाथों में बचत या विवेकाधीन खर्च के लिए अधिक पैसा बचेगा। नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स पर एक आउटरीच एंड इंटरेक्शन प्रोग्राम में वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद के निर्णयों का उद्देश्य उपभोक्ताओं पर से कर का बोझ कम करना और अर्थव्यवस्था में लिक्विडिटी में सुधार लाना था।उन्होंने कहा कि 99 प्रतिशत वस्तुएं अब 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गई हैं, जो मध्यम वर्ग और गरीबों के लिए फायदेमंद होगा। लेटेस्ट सुधार जीएसटी स्ट्रक्चर के एक बड़े सरलीकरण का प्रतीक हैं। पहले की 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को हटाकर, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्लैब प्रणाली में बदलाव के परिणामस्वरूप कर कम हुए हैं और संरचना अधिक पारदर्शी हुई है। उन्होंने आगे बताया कि ये सुधार कृषि संबंधी वस्तुओं पर कर कम कर और कृषि आधुनिकीकरण को बढ़ावा देकर किसानों की आय को भी बढ़ाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि एमएसएमई और रोजगार सृजन क्षेत्रों को भी लागत कम होने और बेहतर अवसर प्रदान करने से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी सुधार क्रय शक्ति को बढ़ाएंगे और देश भर के आम आदमी की बचत में योगदान देंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने यह भी बताया कि जीएसटी राजस्व 2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

मॉन्सेल सी फोर्ट्स- द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटेन की रक्षा के लिए बने

मॉन्सेल सी फोर्ट्स वे टावर हैं, जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूनाइटेड किंगडम की रक्षा के लिए थेम्स और मर्सी एस्चुअरी में बनाया गया था। ये आज भी इतिहास की गवाही देते हैं। इनका निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इन्हें दुश्मन विमानों से ब्रिटेन की रक्षा के लिए किया था। उस दौर में ये स्टील के विशाल टावर युद्धभूमि की ढाल बने खड़े थे, लेकिन समय के साथ उनका उपयोग खत्म हो गया। युद्ध के बाद ये किले वीरान पड़े रह गए और दशकों तक लहरों और तूफानी हवाओं से टकराते-टकराते अब जंग खा चुके हैं। पानी के बीच खड़े इन लोहे के ढांचों को देखकर लगता है मानो कोई रहस्यमयी द्वीप क्षितिज पर तैर रहा हो। इन्हें नाव के जरिए करीब से देखा जा सकता है।

कोलकाता में कमांडर सम्मेलन, सीडीएस जनरल चौहान और तीनों सेना अध्यक्ष शामिल

सम्मेलन में ऐलान: तीनों सेनाओं के तीन साझा सैन्य स्टेशन बनेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए देश में सेना, वायुसेना और नौसेना के तीन साझा सैन्य स्टेशन स्थापित करने का फैसला किया गया है। इससे तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और एकजुटता सुनिश्चित होगी। साथ ही, सैन्य अभियानों के दौरान तालमेल भी बेहतर होगा। कोलकाता में तीनों सेनाओं की संयुक्त कमांडर सम्मेलन में साझा स्टेशनों के गठन का एलान किया गया। सम्मेलन के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह तीन साझा सैन्य स्टेशन कहां होंगे।

सूत्रों ने बताया कि इस कदम से संसाधनों के बेहतर उपयोग से आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। साथ ही, आधुनिक युद्ध और आपदा राहत जैसे साझा अभियानों को अंजाम देने में तीनों सेनाओं की क्षमता भी बढ़ेगी। सीमाओं की बेहतर ढंग से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। सम्मेलन में सूचना युद्ध की बढ़ती महत्ता पर गहनता से विचार किया गया, साथ ही साझा मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन भी जारी की गई। सम्मेलन में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सेना अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

एकल ट्राई-सर्विस शिक्षा कोर होगी

सम्मेलन में सेनाध्यक्षों और वरिष्ठ कमांडरों ने तीनों सेनाओं की शिक्षा शाखाओं के विलय की घोषणा भी की है। अब सेना, वायुसेना व नौसेना तीनों की एकल ट्राई-सर्विस शिक्षा कोर होगी। अभी तीनों की शिक्षा कोर अलग होती हैं। तीनों सेनाओं में एजुकेशन कोर का मुख्य कार्य अलग-अलग विषयों की शिक्षा देना, सैन्य परीक्षाओं का तंत्र विकसित करना, मानचित्र पठन, अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषाओं का प्रशिक्षण देना होता है। यह जवानों को उनकी योग्यता बढ़ाने में मदद करती है। साथ ही, व्यक्तित्व विकास और एसएसबी जैसी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करती है।

केंद्र सरकार का जीएसटी घटाने का नोटिफिकेशन जारी

22 सितंबर से पूरे देश में सस्ती दरों पर मिलेगा सामान

नई दिल्ली, एजेंसी

नवरात्र से पहले केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। ये नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी, जिसके बाद कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद 3 सितंबर को इसका ऐलान किया गया था।

नई दरें वर्ष 2017 में 28 जून को जारी की गई अधिसूचना की जगह लेंगी। यानी अब 22 सितंबर से वस्तुएं और सेवाएं नई जीएसटी दरों के हिसाब से उपलब्ध होंगी। अगले कुछ दिनों में राज्य सरकारें भी इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी करेंगी। पहले जीएसटी की चार दरें थीं-5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लेकिन अब नई दरों के अनुसार केवल दो स्लैब रहेंगे-5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत।

सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि पहले जो वस्तुएं और सेवाएं 28 प्रतिशत स्लैब में आती थीं, उनमें से अधिकतर को 18 प्रतिशत स्लैब में कर दिया गया है। वहीं, 12 प्रतिशत स्लैब की कई वस्तुएं और सेवाएं अब 5 प्रतिशत के स्लैब में आ गई हैं। हालांकि, हानिकारक और विलासिता वाली वस्तुओं को अब 28 प्रतिशत से हटाकर 40 प्रतिशत के विशेष स्लैब में रखा गया है। गौरतलब है कि यूक्रेन युद्ध को रोकने की कोशिश में लगे अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर पेनल्टी के रूप में 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इस कदम के बाद अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहना काफी मुश्किल हो गया है। हालांकि, इसके बाद सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

शाह से नीतीश की बंद कमरे में 20 मिनट सीट शेयरिंग पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुबह मुलाकात हुई। अमित शाह जिस होटल में ठहरे थे, वहां मिलने के लिए नीतीश कुमार खुद पहुंचे। शाह और नीतीश के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। बिहार में विधानसभा चुनाव होना है, तो उस लिहाज से यह मीटिंग अहम मानी जा रही है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच बिहार विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई है। साथ ही एनडीए में सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर भी चर्चा हुई है।

नंदानगर में बादल फटने से 10 लोग लापता

देहरादून, एजेंसी

चमोली ज़िले के नंदानगर विकासखंड में बुधवार रात बादल फटने से भारी तबाही मच गई। इसमें 10 लोगों के लापता होने की खबर है। रात करीब एक बजे फाली लगा कुंतरी, सैंती लगा कुंतरी, धुर्मा और सेरा गांवों में भारी बारिश और बिजली गिरने के बाद मकान मलबे में दब गए। सैंती कुंतरी में दो लोग मलबे में दबे हैं, जबकि फाली लगा कुंतरी से पांच लोग लापता हैं। धुर्मा गांव से भी एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना है। बारिश इतनी तेज़ थी कि लोग रात में अपने घरों से बाहर निकल भागे। प्रभावित क्षेत्रों में कई गौशालाएं और मवेशी भी बह गए हैं। मोक्ष गाड़ गदेरा उफान पर आ गया, जिससे सेरा गांव में कई मकान बह गए और नंदप्रयाग-नंदानगर मोटर पुल भी खतरे की जद में आ गया। पेट्रोल पंप और पुराना बाजार से जोड़ने वाला पुल भी बह गया है।

कई घर मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

थराली क्षेत्र, सोल घाटी और आसपास के गांवों में भी तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई जगह सड़कें बंद हैं और संपर्क कट गया है। नंदानगर के सालूबगड़ और लांखी जैसे क्षेत्रों में मकानों को खतरा बना हुआ है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट करते हुए लिखा, जनपद चमोली के नंदानगर घाट क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से आस पास के घरों को क्षति पहुंचने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। स्थानीय प्रशासन एसडीआरएफ व पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

मेट्रो एंकर | दिल्ली विवि में भारी सुरक्षा के बीच मतदान सुबह से जारी, कल आएंगे नतीजे

छात्र संघ चुनाव में 21 उम्मीदवार आजमा रहे अपनी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2025-26 के लिए आज सुबह 8.30 से मतदान जारी है। 2.80 लाख छात्र-छात्राएं 21 उम्मीदवारों का भविष्य तय करेंगे। मतदान के लिए डूसू चुनाव कार्यालय इस चुनावी प्रक्रिया पर कड़ाई से नजर बनाए हुए है। सुबह के कॉलेजों में सुबह साढ़े आठ बजे से मतदान शुरू हो गया है और दोपहर एक बजे तक चलेगा। वहीं, सांध्य कॉलेजों में दोपहर तीन बजे से शुरू होगा और रात साढ़े सात बजे तक चलेगा।

डूसू चुनाव के मद्देनजर नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस सहित सभी कॉलेजों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। इसके पूर्व सुरक्षा बलों ने कैंपस में मार्च भी किया। मतदान को लेकर मार्ग पर बैरिकेडिंग लगी है। बाहरी लोगों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वहीं मतगणना स्थल की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। डूसू चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने बताया कि 52 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। साथ ही 711 ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है। मतगणना 19 सितंबर को यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब नौ बजे से शुरू हो जाएगी।

विजय जुलूस निकालने पर हाईकोर्ट की रोक

हाईकोर्ट ने डूसू चुनाव परिणामों के बाद उम्मीदवारों और छात्र संगठनों को राजधानी में कहीं भी विजय जुलूस निकालने पर रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेदेला की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। हालांकि, यदि चुनाव संतोषजनक व्यवस्था के साथ नहीं होते तो कोर्ट डूसू के पदाधिकारियों के कामकाज को रोक सकता है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों और नागरिक प्रशासन को निर्देश दिया कि वे डूसू चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी संभव और अनुमत कदम उठाएं। साथ ही, यह सुनिश्चित करें कि चुनाव के दौरान किसी भी नियम का उल्लंघन न हो। यह निर्णय डूसू चुनाव के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया है, ताकि छात्रों और प्रशासन के बीच किसी भी तरह का तनाव या अव्यवस्था न हो।

इन उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

छात्र संगठन -अध्यक्ष - उपाध्यक्ष -सचिव -संयुक्त सचिव
एबीवीपी -आर्यन मान - गोविंद तंवर -कुणाल चौधरी -दीपिका झा
एनएसयूआई -जोसलिन नंदिता चौधरी -राहुल झांसला -कबीर - लवकुश भड़ाना
आइसा-एसएफआई - अंजलि -सोहन कुमार - अभिनंदना -अभिषेक

40 टीमों के 550 पुलिसकर्मियों ने कई कुख्यातों को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में कुख्यात आपराधिक गिरोहों के सदस्यों और उनके फाइनेंसरों के खिलाफ बड़े पैमाने पर दिल्ली पुलिस ने छापेमारी की। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस की लगभग 40 टीमों के 550 पुलिसकर्मियों ने एक साथ टिल्लू ताजपुरिया गिरोह, नीरज बवाना-राजेश बवाना गिरोह, जितेंद्र उर्फ गोगी गिरोह और काला जठेरी गिरोह के कई ठिकानों पर छापा मारा। पुलिस ने कई जगहों से भारी मात्रा में नकदी और कई हथियार बरामद किए हैं और कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022